केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 263 मंगलवार 22 अप्रैल 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

एसबीआई बैंक के मिला युवक का शव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नगर बाजार थानाक्षेत्र के नगर कस्बे में सोमवार की सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में एक व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त पंकज (35) निवासी टेमा के रूप में की। उसके शरीर पर चोट के निशान मिलने की बात भी कही जा रही है। थानाध्यक्ष देवेन्द्र सिंह के अनुसार पूछताछ में स्थानीय लोगों ने बताया गया कि पंकज को रविवार की शाम ठेके के आसपास शराब का सेवन करते हुए देखा गया था। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद स्थिति पूरी तरह साफ होगी। बताया जा रहा है कि टेमा निवासी पंकज पेंटिंग का काम करता था। इस समय पर किसी के घर कर रहा था। उसकी पत्नी काफी दिनों से मायके में रह रही है। वर्तमान में वह कहीं पेंटिंग का काम कर रहा था। रविवार को रात घर नहीं लौटा। सुबह परिजनों को सूचना मिली कि नगर बाजार कस्बे में एसबीआई के पास पंकज का शव पड़ा है। मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुटी थी। पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी में पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

शादी में विषाक्त भोजनः मृतकों की संख्या 2 हुई, 5 गंभीर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । लालगंज थाना क्षेत्र के महसो गांव में एक शादी समारोह में खाना खाने से बड़ी संख्या में लोग बीमार पड़ गए हैं। 14 अप्रैल को हुए इस समारोह में दो लोगों की मौत हो चुकी है। 35 वर्षीय संगीता चौरसिया की लखनऊ के लोहिया अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हुई।

इससे पहले एक अन्य महिला की भी मौत हो चुकी थी। पांच लोगों की स्थिति अभी भी गंभीर बनी हुई है। शादी में शामिल हुए सैकड़ों लोगों की तबीयत अचानक बिगड़ने लगी। मरीजों को उल्टी–दस्त और पेट दर्द की शिकायत थी। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मौके से सैंपल लिए हैं। अभी तक बीमारी का कोई आधिकारिक कारण सामने नहीं आया है। मृतक संगीता चौरसिया के परिवार का हाल भी चिंताजनक है। उनका एक बच्चा निजी अस्पताल में है। दो बेटियों का इलाज बस्ती के कैली अस्पताल में चल रहा है। गांव के प्रधान की भी तबीयत खराब है। उनका फोन बंद आ रहा है। ग्रामीण दहशत में हैं। वे स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन से कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। दोषियों को सजा मिले और भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों, यह उनकी मुख्य मांग है।

तेज धूप, गर्मी से बेहाल हुये लोग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सुबह से ही धूप में तेजी के कारण लोग परेशान दिखे। स्कूली बच्चों को भी काफी दुश्वारियों का सामना करना पड़ा। इसी बीच सुबह से ही बार–बार बिजली की कटौती लोगों का दर्द बढ़ा रही है।

सोमवार की सुबह 10 बजे ही पारा 38 तक पहुंच गया। सुबह स्कूल जाने वालीं छात्राएं दुपट्टे से खुद को ढंककर धूप से बचाव करती दिखीं। सड़कों पर स्कूटी से निकलने वाली महिलाएं और युवतियां खुद को कपड़ों से ढंककर व हाथों में दस्ताना लगाकर जाती दिखीं।

पीएम मोदी से हुई अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की मुलाकात

नई दिल्ली (आभा)। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस सोमवार को नई दिल्ली पहुंचे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस मुलाकात को भारत–अमेरिका संबंधों के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है। सूत्रों की मानें तो दोनों नेताओं के बीच संभावित व्यापार समझौते को लेकर अहम बातचीत हो सकती है। वेंस के साथ वरिष्ठ अमेरिकी सरकारी अधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल भी भारत आया है। वेंस ऐसे समय में भारत आए हैं जब कुछ सप्ताह पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत सहित लगभग 60 देशों के खिलाफ व्यापक शुल्क व्यवस्था लागू करने के बाद उसे स्थगित कर दिया था।

पीएम से मुलाकात से पहले जेडी वेंस पत्नी उषा चिलुकुरी और तीन बच्चों के साथ सोमवार को दिल्ली स्थित अक्षरधाम मंदिर में दर्शन किए। भारत की चार दिवसीय यात्रा पर पहुंचे वेंस आगरा और जयपुर का भी भ्रमण कर सकते हैं। वेंस और उनका परिवार लगभग चार घंटे तक अक्षरधाम मंदिर में रहे। उनके तीन बच्चे इवान, विवेक और मिराबेल ने पारंपरिक भारतीय परिधान पहने थे। अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने मंदिर की अतिथि पुस्तिका में लिखा, ''इस खूबसूरत जगह पर मुझे और मेरे परिवार का स्वागत करने के लिए आप सभी की मेहमाननवाजी और दयालुता का मैं शुक्रिया अदा करता हूं। भारत को इस बात का बहुत बड़ा श्रेय जाता है कि आपने बहुत ही सावधानी और सटीकता से एक सुंदर मंदिर बनाया है। खासतौक पर, मेरे बच्चों को यह बहुत पसंद आया।

भूस्खलन से जम्मू–श्रीनगर हाईवे बंदः फंसे हैं हजारों लोग

जम्मू (आभा)। भूस्खलन प्रभावित जम्मू श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग सोमवार को लगातार दूसरे दिन भी बंद रहा। वहीं जम्मू के राजौरी और पुंछ जिले को दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले से जोड़ने वाले मुगल रोड के खुलने से फंसे हुए लोगों को बड़ी राहत मिली। शुरू में हाल में खोले गए मुगल रोड पर यातायात को एक तरफ कश्मीर से जम्मू तक सीमित रखने का फैसला किया गया था।

हालांकि, राष्ट्रीय राजमार्ग के बंद होने से यातायात का मार्ग परिवर्तित करना पड़ा। दोनों तरफ सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया। रविवार को भारी बारिश और बादल फटने से रामबन जिले में अचानक आई बाढ़, भूस्खलन के कारण जम्मू श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सैकड़ों वाहन फंसे रहे। जम्मू श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग हर मौसम में कश्मीर को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाली एकमात्र सड़क मार्ग है। रणनीतिक रूप से अहम यह मार्ग 250 किलोमीटर लंबा है।

ऐतिहासिक मुगल रोड, खासकर पीर की गली आमतौर पर सर्दियों के दौरान भारी बर्फबारी के कारण बंद रहती है, उसे 3 महीने बाद 15 अप्रैल को एकतरफा यातायात के लिए फिर से खोल दिया गया। ताजा बर्फबारी सहित खराब मौसम के कारण इसे 18 अप्रैल को बंद करना पड़ा था। बीआरओ कर्मियों और मशीनरी की मदद से इस मार्ग को फिर से यातायात के योग्य बनाने में कामयाब रहा। कश्मीर घाटी से आने–जाने वाले वाहनों की संख्या में वृद्धि के कारण राजौरी और पुंछ के जिलों में भारी यातायात देखा गया।

मुगल रोड से जुड़ी राजौरी और पुंछ की लगभग सभी सड़कों पर भारी जाम है, जिससे कानून प्रवर्तन एजेंसियों को खासकर थानामंडी, सुरनकोट और चट्टा पानी से पीर की गली तक यातायात को नियंत्रित करने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। हम सड़क को चौड़ा करने के लिए रात सफाई अभियान चलाने की योजना बना रहे हैं, जो विभिन्न स्थानों पर बर्फ से ढंकी हुई है।

डीएम ने किया सब सेन्टर आयुष्मान आरोग्य मंदिर का निरीक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने विकास खण्ड सदर में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मरवटिया के अन्तर्गत सब सेन्टर आयुष्मान आरोग्य मंदिर, हर्दिया बुजुर्ग का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होने पाया कि 12 टेलीकन्सलटेशन व 03 ई संजीवन की गयी है तथा तीन आशाओं द्वारा क्षेत्र में दस्तक का स्टिकर लगवाया गया है।

प्रभारी चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि मरवटिया में एसडब्लूसीध आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर कुल 22 सीएचओ नियुक्त हैं, इसके अतिरिक्त ग्राम पंचाचत में 37 उपकेन्द्र बनाये गये है। केन्द्र पर पाँच वर्ष तक के बच्चों को टीका, गर्भवती महिलाओं को 10 व 16 वर्ष पर टीडी वैक्सीन का टीका लगाया जाता है। सीएचओ ने बताया कि एनसीडी के अन्तर्गत क्षेत्र के बीपी, शुगर, कैंसर आदि बीमारियों से पीड़ित लोगों को दवाएं दी जाती है एवं ऑनलाइन संजीवनी पोर्टल के माध्यम से एमबीबीएस डॉक्टर मरीजों को देखते है।

जिलाधिकारी ने देखा कि उक्त सेन्टर के पुराने कमरों में दरवाजे व खिड़खियां नहीं लगी है। इस स्थिति पर उन्होने संबंधित को निर्देशित किया कि दरवाजे व खिड़खिंया लगवाकर डिलीवरी का कार्य यथाशीघ्र प्रारम्भ करवाया जाय। निरीक्षण के समय डा0 विनोद कुमार, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी व समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

पोप फ्रांसिस का निधन

वेटिकन सिटी (आभा)। पोप फ्रांसिस का सोमवार सुबह निधन हो गया। कार्डिनल केविन फारेल ने यह घोषणा की जो वेटिकन 'कैमरलेंगो' हैं। कैमरलेंगो की पदवी उन कार्डिनल या उच्चस्तरीय पादरी को दी जाती है जो पोप के निधन या उनके इस्तीफे की घोषणा के लिए अधिकृत होते हैं।

फारेल ने कहा, ''रोम के बिशप, पोप फ्रांसिस सोमवार सुबह 7.35 बजे यीशू के घर लौट गए। उनका पूरा जीवन यीशू और उनके चर्च की सेवा के लिए समर्पित था।'' पोप को हाल में निमोनिया हो गया था।

पोप फ्रांसिस ईस्टर रविवार के अवसर पर सेंट पीटर्स स्क्वायर में हजारों लोगों को आशीर्वाद देने के लिए कुछ समय के लिए जनता के सामने आए और सार्वजनिक कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर लोगों की भीड़ ने तालियां बजाकर उनका स्वागत किया था।

विश्व हिन्दू महासंघ ने निकाली ममता बनर्जी की शव यात्रा राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन, पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । सोमवार को विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह के नेतृत्व में महासंघ पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने कम्पनीबाग चौराहे से कटरा पानी टंकी, पुलिस अधीक्षक कार्यालय होते हुये तिरंगा तिराहे तक पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की शव यात्रा निकालकर प्रदर्शन किया। इसके बाद जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन देकर पश्चिम बंगाल में वक्फ कानून को लेकर हो रहे दंगों, हिन्दुओं के कत्लेआम को देखते हुये राष्ट्रपति शासन की मांग किया गया।

ज्ञापन देने के बाद हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने कहा कि मुर्शिदाबाद में हिंदुओं के साथ अत्याचार किया गया। उनके वाहनों को जलाया गया और संपत्ति को लूटा गया। स्थिति इतनी भयावह है कि हिन्दू परिवार अपने घरों से

पलायन करने को मजबूर हैं। पुलिस बल पर भी पथराव की घटनाएं हुई हैं। ऐसी स्थिति में कानून व्यवस्था संभालने की जगह पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पर अर्नगल आरोप लगा रही है जो दुर्भाग्यपूर्ण और चिन्ताजनक है। अब स्थितियां विकट हो चली है और पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन को लागू किया जाना ही एक मात्र विकल्प रह गया है।

विश्व हिन्दू महासंघ के प्रदेश उपाध्यक्ष दिग्विजय सिंह राना ने कहा कि हिंदू समाज हमेशा संवैधानिक परंपराओं का पालन करता है। लेकिन कुछ लोग देश की शांति व्यवस्था को भंग कर रहे हैं। लैंड जिहाद, लव जिहाद, गोकशी और धार्मिक स्थलों पर हमले की घटनाएं हो रही हैं। घुसपैठिये बड़ी समस्या बन चुके है। ऐसे में केन्द्र सरकार प्रभावी हस्तक्षेप कर हिन्दू अस्मिता की रक्षा करें।

शव यात्रा और ज्ञापन देने वालों में अजय मिश्रा, सौरभ त्रिपाठी, विजय शंकर शुक्ला, बाबा जयप्रकाश दास, विनय सिंह, अमरजीत सिंह, बिंदु गोपाल त्रिपाठी, शैलेंद्र प्रताप सिंह, अर्पण श्रीवास्तव, विपिन सिंह, राकेश सिंह, किशन गुप्ता आशीष उर्फ कल्लू बाबा,भोला जायसवाल, पूनम सिंह जिला अध्यक्ष मातृ शक्ति, दीपमाला , अनुसुइया पाण्डेय ,संजू सिंह , प्रिया, कंचन, मंगेश लता, पुष्पा, राधा, अरविंद सिंह, अंकित सिंह विश्वजीत गोस्वामी अमरजीत यादव, राजीव कसौधन, रूपनारायण गौड़, उदय सिंह, सचिन त्रिपाठी, उपेंद्र सिंह,वेद प्रकाश, जय सिंह, बंटी चौधरी, आदि शामिल रहे।

राहुल गांधी की नागरिकता पर हाईकोर्ट का सख्त, केंद्र सरकार से मांगा स्पष्ट रिपोर्ट

लखनऊ (आभा)। कांग्रेस और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की नागरिकता को लेकर दायर याचिका पर हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने सख्त रुख अपना लिया है। हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार को आदेश दिया है कि वह दस दिनों में इस सम्बन्ध में याची की ओर दाखिल प्रत्यावेदन को निस्तारित करें और नागरिकता को लेकर स्पष्ट रिपोर्ट दें। अगली सुनवाई के लिए 5 मई की तिथि नियत की गई है।

यह आदेश न्यायमूर्ति एआर मसूदी व न्यायमूर्ति राजीव सिंह की खंडपीठ ने कर्नाटक के एस विग्नेश शिशिर द्वारा दाखिल जनहित याचिका पर पारित किया है। पिछली सुनवाई के दौरान डिप्टी सॉलिसिटर जनरल एसबी पांडे ने अदालत को बताया था कि याची के शिकायत पर कार्रवाई करते हुए, संबंधित मंत्रालय ने राहुल गांधी की कथित ब्रिटिश नागरिकता के बारे में विवरण मांगते हुए ब्रिटेन सरकार को पत्र लिखा है और इसलिए सरकार को शिकायत पर निर्णय लेने के लिए समय चाहिए।

उल्लेखनीय है कि मामले में याची की ओर से दलील दी गई है कि उसके पास तमाम दस्तावेज और ब्रिटिश सरकार के कुछ ई–मेल हैं जिनसे यह सिद्ध होता है कि राहुल गांधी एक ब्रिटिश नागरिक हैं और इस कारण से वह चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य हैं। लोकसभा सदस्य का पद नहीं धारण कर सकते। इसी आधार पर याची ने राहुल गांधी की सांसद पद पर बने रहने के खिलाफ अधिकार पृच्छा रिट जारी करने का आदेश देने की भी मांग की है।

इसके साथ ही याचिका में राहुल गांधी के इस प्रकार से दोहरी नागरिकता धारण करने को भारतीय न्याय संहिता और पासपोर्ट एक्ट के तहत अपराध बताते हुए, सीबीआई को केस दर्ज कर जांच करने का आदेश देने की भी मांग की गई है। याची का यह भी कहना है कि उसने दोहरी नागरिकता के सम्बन्ध में सक्षम प्राधिकारी को दो–दो बार शिकायतें भेजीं लेकिन उनके द्वारा कोई कार्रवाई न किये जाने पर वर्तमान याचिका दाखिल की गई है।

सोमवार को भी नगर पंचायत भानपुर में जारी रहा अतिक्रमण हटाओ अभियानः व्यापारियों से मांगा सहयोग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नगर पंचायत भानपुर में सोमवार को भी अतिकमण हटाओ अभियान जारी रहा। मण्डलायुक्त, जिलाधिकारी के दिशा निर्देश में अपर जिलाधिकारी प्रतिपाल चौहान के नेतृत्व में नगर पंचायत भानपुर में विद्युत पोलो व पथ प्रकाश के खम्भो तथा मार्ग के अवरोधक एवं अवैध 90 होर्डिंग बैनर हटवाये गये।

अधिशासी अधिकारी ऋचा सिंह ने बताया कि 19 अप्रैल से चलाये जा रहे अभियान के दौरान भानुपर मुख्य बाजार से तहसील होते हुये बैड़वा समय माता मंदिर तक व सोनहा मुख्य बाजार तथा पचपेड़वा तिराहा रोड पर अवैध होर्डिंग, बैनर हटायें जाने का अभियान चलाया गया। अवैध होर्डिंग हटाये जाने के साथ ही मार्ग पटरियों व नालों पर किये गये अतिक्रमण को हटायें जाने हेतु लोगो को निर्देशित किया गया,

अभियान के दौरान अधिशासी अधिकारी ऋचा सिंह ने लोगो से अनुरोध किया कि ऐसे अभियान की आवश्यकता न पडे, स्वयं से अतिक्रमण हटा लें, व शहर को स्वच्छ तथा सुन्दर बनायें रखने में सहयोग करें।

सोनहा पचपेड़वा मार्ग तथा रूधौली तिराहा के समीप बिल्डिंग मटेरियल की दुकानों के संचालकों को निर्देशित किया गया हैं, मार्ग पटरियों पर मटेरियल डम्प न करें यदि डम्प मटेरियल की वजह से जल निकासी में समस्या अथवा अतिक्रमण किया जायेगा तो सम्बंधित के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी। उक्त अभियानों का उद्देश्य मार्गों को अतिक्रमण मुक्त व शहर को स्वच्छ तथा सुंदर बनायें रखना हैं, जिसमें स्थानीय नागरिकों व व्यापारी बन्धुओं का सहयोग आवश्यक है।

सौर्य ऊर्जा समय की मांग– विवेकानन्द मिश्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोमवार को भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने न्यायमार्ग स्थित प्रकाश इण्टर प्राइजेज का फीता काटकर उद्घाटन किया। कहा कि केन्द्र और प्रदेश की सरकार सौर्य ऊर्जा पर विशेष ध्यान दे रही है और इसके लिये अनुदान की भी व्यवस्था है। जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी, विधायक महेन्द्रनाथ यादव, पूर्व विधायक संजय जायसवाल, परियोजना निदेशक डा. राजमंगल चौधरी ने कहा कि सौर्य ऊर्जा के द्वारा लोग बिजली के खर्च से बच जायेंगे। यही नहीं बिजली बेचकर लाभ भी प्राप्त कर सकेंगे।

प्रकाश इण्टर प्राइजेज के प्रोपराइटर जय प्रकाश शुक्ल उर्फ झब्बर शुक्ल, अशोक कुमार मिश्र, विवेक शुक्ल 'राहुल' ने अतिथियों का स्वागत करते हुये बताया कि

–प्रकाश इण्टर प्राइजेज का उद्घाटन

प्रकाश इण्टर प्राइजेज सौर्य ऊर्जा लगाने के सारे मानक पूरे करता है और बैंक से ऋण दिलाने में भी पूरा सहयोग किया जाता है। प्रकाश इण्टर प्राइजेज द्वारा अब तक 350 सौर्य ऊर्जा प्लान्ट स्थापित कराये जा चुके हैं जिनमें 250 ग्रिड से जोड़े गये हैं। उद्घाटन अवसर पर मुख्य रूप से चन्द्रभूषण मिश्र, दुष्यंत विक्रम सिंह के साथ ही विभिन्न वर्गो के लोग उपस्थित रहे।

स्कूल चलो अभियानः नुक्कड़ नाटक से दिया संदेश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हर्रैया ब्लाक के उभाई में सोमवार को स्कूल चलो अभियान के तहत नुक्कड़ नाटक के माध्यम से अभिभावकों को अपने बच्चों को स्कूल भेजने के लिए प्रेरित किया गया। यूथ फाउंडेशन लखनऊ निपुण शिक्षा की टीम के सदस्य ऐश्वर्या शुक्ल, हसीन खान, दीपक यादव, आदर्श पाल और पूनम त्रिपाठी के द्वारा बच्चों को प्रतिदिन स्कूल भेजने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु विभिन्न प्रकार की प्रस्तुतियां दी गई। बच्चों को प्रतिदिन स्कूल न भेजने के नुकसान, बच्चों का नामांकन विद्यालय में न कराने के नुकसान, पढ़ाई से हटकर दूसरे कार्यों में लगाने के नुकसान आदि से संबंधित विभिन्न प्रकार की बातें नुक्कड़ नाटक की टीम द्वारा अभिभावकों को बताई गईं।

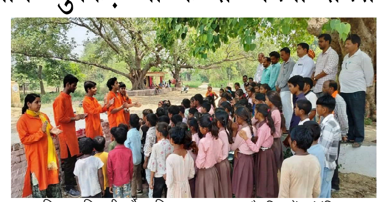

खण्ड शिक्षा अधिकारी हर्रैया विजय आनंद ने बताया कि कोई बच्चा शिक्षा से वंचित न रह जाए और किसी बच्चे की शिक्षा प्रभावित न हो इसके लिए सरकार गंभीर है। शत प्रतिशत बच्चे शिक्षित हों इसी उद्देश्य के लिए नुक्कड़ नाटक के द्वारा अभिभावकों को जागरूक किया जा रहा है। बताया कि न्याय पंचायत स्तर पर कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है जिसमें संबंधित न्याय पंचायत के नोडल संकुल ही कार्यक्रम के नोडल हैं।

इस अवसर पर नोडल शिक्षक संकुल प्रमोद त्रिपाठी, सन्तोष कुमार शुक्ल, विद्यासागर वर्मा, ज्ञानदास, महेंद्र वर्मा, अमित मिश्र, सर्वेश, साकेत कुमार, मेराज अहमद, प्रदीप शुक्ल सहित बड़ी संख्या में बच्चे और उनके अभिभावक उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक भारतीय बस्ती

बस्ती 22 अप्रैल 2025 मंगलवार

सम्पादकीय

हाशिये पर मनरेगा

भले ही मौजूदा केंद्रीय सरकार में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना यानी मनरेगा को लेकर उत्साहजनक प्रतिसाद नजर न आता हो, लेकिन बदलते वक्त में पैदा चुनौतियों में भी इसकी प्रासंगिकता कम नहीं हुई है। कोरोना काल ने इस योजना की उपयोगिता को साबित किया है। देश के ग्रामीण अंचल में जहां एक ओर लाखों श्रमिकों व महिलाओं को रोजगार मिला, वहीं अन्य राज्यों के लिये होने वाले पलायन पर रोक लगी। सही मायनों में देश के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिये एक उम्मीद बनकर उभरा है मनरेगा। खासकर अकुशल श्रमिकों को अपने घर के आसपास काम मिलने से लाखों घरों के चूल्हे जलते रहे हैं। लंबे समय से इस योजना के लिये धन आवंटन तथा काम के दिन व मजदूरी बढ़ाने की मांग होती रही है। जिस पर संसद की स्थायी समिति ने मोहर लगा दी है। दरअसल हाल ही में संपन्न बजट सत्र के अंतिम सप्ताह में संसदीय समिति ने मंदी की आहट व ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों के चलते श्रम दिवसों की संख्या डेढ़ सौ दिन करने के साथ मजदूरी चार सौ रुपये प्रतिदिन करने की सिफारिश की है। निस्संदेह, बढ़ती महंगाई व अदृश्य बेरोजगारी दूर करने में ये बदलाव लाभकारी साबित हो सकते हैं। मौजूदा दौर में कम मजदूरी में जीवन–यापन लगातार कठिन होता जा रहा है। यदि ये बदलाव सिरे चढ़ते हैं तो योजना के सार्थक परिणाम सामने आएंगे। जिसे मूर्तरूप देने हेतु मनरेगा के लिये आवंटित धन में वृद्धि भी जरूरी है।

इसमें दो राय नहीं कि मनरेगा को लेकर अनेक विसंगतियां भी सामने आई हैं। इसमें भ्रष्टाचार और फर्जी प्रमाणपत्रों के जरिये लाभ उठाने के मामले हैं। आधार कार्ड के जरिये भुगतान ऑनलाइन करने के बाद लाखों श्रमिक फर्जी पाये गए। निस्संदेह, योजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता जरूरी है। लेकिन मानना चाहिए कि ग्रामीण इलाकों में कम पढ़े–लिखे लोगों व ऑनलाइन सेवाओं का उपयोग न कर पाने से भी कई तरह की विसंगतियां सामने आ सकती हैं। इसमें ठेकेदारों की मनमानी व अनियमितताओं की भी भूमिका हो सकती है। दरअसल, ग्रामीण विकास व पंचायती राज मंत्रालय की स्थायी समिति ने योजना का मूल्यांकन करके कई रचनात्मक सुझाव दिए थे। जिसमें राज्यों में मजदूरी में एकरूपता लाने तथा काम के दिन बढ़ाने के भी सुझाव शामिल थे। जिस पर अब संसद की स्थायी समिति ने मोहर लगाई है। साथ ही,नीतिगत सुधारों के लिये पारदर्शी सर्वेक्षण की बात भी कही गई है। निस्संदेह, ऐसे प्रयासों से योजना में श्रमिकों की भागीदारी बढ़ेगी। साथ ही जरूरी है कि मनरेगा के जरिये उत्पादक कार्यों को बढ़ावा दिया जाए। जिससे देश की कर्मशील आबादी में वृद्धि होगी। शायद तब देश के अस्सी करोड़ों लोगों को मुफ्त अनाज बांटने की जरूरत न होगी। लेकिन साथ ही जरूरी है कि मनरेगा के बजट आवंटन में जो ठहराव पिछले दिनों देखने में आ रहा था, उसे भी दूर किया जाए। जिसको लेकर विपक्षी कांग्रेस सत्तारूढ़ दल पर हमले बोलती रही है। कांग्रेस अपने कार्यकाल में लायी गई योजना को आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिये सुरक्षा कवच बताती रही है।

मजदूरों को सौ दिनों तक रोजगार उपलब्ध कराने की गारंटी सुनिश्चित करनेवाला मनरेगा एक्ट के नियम अब कागजों पर ही सिमटने लगा है। जिससे मनरेगा एक्ट के नियम और कानून पर कई तरह के सवाल उठने लगे है। बताया जाता है कि मनरेगा मद में पिछले एक वर्षों से आवंटन का घोर आभाव चल रहा है। योजना मद में राशि नहीं है। जिससे मजदूरों को मजदूरी नहीं मिल रहा है। मनरेगा का हाल बेहाल देख मजदूर गांव को छोड़ अन्यत्र स्थानों पर पलायन करने को विवश है। जिससे मनरेगा के नियमों की खुले आम धज्जियां उड़ने लगी है। मनरेगा एक अलग एक्ट बना है। इस एक्ट के तहत पंद्रह दिनों के भीतर मजदूरों को मजदूरी भुगतान करने का नियम व प्रावधान है। विलंब से मजदूरी भुगतान होने पर मजदूरों को मजदूरी के अलावे अतिरिक्त राशि देने का भी एक्ट में उल्लेख किया गया है, लेकिन सारा सिस्टम बेपटरी हो गया है। अच्छा हो कि तंत्र इस दिशा में जागे।

सवालों के घेरे में खाकी और न्यायपालिका

— योगेन्द्र योगी—

नेताओं की हाथों की कठपुतली बनी पुलिस प्रणाली देश के आम लोगों का विश्वास जीतने में पूरी तरह नाकाम रही है। पुलिस का आचरण और व्यवहार आजादी के बाद भी सामंती बना हुआ है। अपराध रोकने की जिम्मेदारी निभाने वाली पुलिस के अपराधियों की तरह आचरण करने से वर्दी दागदार हो रही है। पुलिस राज्यों के अधिकार क्षेत्रों में होने के कारण सत्तारुढ़ दलों के इशारों के बगैर काम नहीं करती है। ऐसे ही हालात पुलिस पर पक्षपात करने के जिम्मेदार हैं। अधिनस्थ से लेकर देश की शीर्ष अदालत कई बार पुलिस की कारगुजारियों को उजागर किया है। इसके बावजूद पुलिस के रवैये में कोई खास बदलाव नहीं आया है। सुप्रीम कोर्ट ने दीवानी मामले में आपराधिक कानून लगाने पर उत्तरप्रदेश (यूपी) पुलिस को फटकार लगाई। अदालत ने कहा कि यूपी पुलिस की ओर से दीवानी मामलों में दर्ज की गईं प्राथमिकियों पर गौर करने से पता चलता है कि राज्य में कानून का शासन पूरी तरह ध्वस्त हो गया है।

पुलिस के कुकृत्यों सिर्फ मनमर्जी तक सीमित नहीं है, बल्कि पुलिस अपराधियों को पकडने के बजाए कई मामलों खुद अपराधी बन बैठी है। पंजाब के चर्चित मोगा सेक्स स्कैंडल में मोहाली स्थित कोर्ट ने 4 पुलिस अधिकारियों को सजा सुनाई है। मोगा सेक्स स्कैंडल साल 2007 में सुर्खियों में आया। उस समय पंजाब में अकाली–भाजपा गठबंधन की सरकार थी। इस स्कैंडल में कई हाई प्रोफाइल राजनेता और सीनियर पुलिस अधिकारी शामिल थे। ये सब मिलकर अमीर लोगों को देह व्यापार में फंसाते थे। पुलिस की कारगुजारियों का पर्दाफाश सुप्रीम कोर्ट ने एक मृत्युदंड के मामले में भी किया है। सुप्रीम कोर्ट ने हत्या के आरोप में निचली अदालत से मौत की सजा प्राप्त एक युवक को बरी करते हुए पुलिस प्रक्रिया पर तीखी टिप्पणियां की। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सभी फोरेंसिक और गवाहों की रिपोर्टों की बारीकी से समीक्षा की और पाया कि आरोपी के खिलाफ कोई विश्वसनीय सबूत नहीं था। इस तरह एक निर्दोष व्यक्ति ने 10 साल फांसी की सजा के साए में जेल में बिताए, जबकि पुलिस और न्यायिक व्यवस्था की नाकामी साफ नजर आई। सुप्रीम कोर्ट पुलिस और सत्तारुढ़ दलों के नापाक गठजोड़ को कई बार उजागर कर चुका है। सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश रहे एनवी रमना ने एक मामले में कहा था कि देखा जा रहा है कि पुलिस के अधिकारी सत्ता में मौजूद राजनीतिक पार्टी का फेवर करते हैं और सत्ता पक्ष के विरोधियों के खिलाफ कार्यवाही करते हैं। बात यहीं खत्म नहीं होती जब विरोधी पक्ष के लोग सत्ता में आते हैं तो उन्हीं पुलिस अफसरों पर कार्यवाही करते हैं। देश में इस तरह का जो ट्रेंड दिख रहा है वह काफी परेशान करने वाला है। मुख्य न्यायाधीश रमना ने कहा था कि इसके लिए पुलिस विभाग को ही जिम्मेदार ठहराना चाहिए। पुलिस को चाहिए कि वह कानून के शासन पर टिके रहें। वह सत्ता और विपक्ष किसी के साथ न होकर स्वतंत्र रूप से काम करें। सुप्रीम कोर्ट ने ये टिप्पणी छत्तीसगढ़ के निलंबित अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक गुरजिंदर पाल सिंह की याचिका पर सुनवाई करते हुए की थी। पाल के खिलाफ पुलिस ने सत्तारुढ दल के इशारे पर आय से अधिक सम्पत्ति और राजद्रोह का मामला दर्ज किया था।

भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन न्यायाधीशों की पीठ का हिस्सा रहे न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला ने कोलकाता चिकित्सक के बलात्कार–हत्याकांड की सुनवाई के दौरान कहा था कि कोलकाता पुलिस ने इस मामले को जिस तरह से संभाला, वह कुछ ऐसा है जो उन्होंने अपने जीवन के 30 वर्षों में नहीं देखा। शीर्ष अदालत ने अप्राकृतिक मौत के मामले के पंजीकरण में देरी की आलोचना की। पुलिस की मौजूदा कार्यप्रणाली को लेकर देश में कई सुधार करने के प्रयास हुए हैं, किन्तु सत्तारुढ़ दलों के नेताओं ने ऐसे प्रयासों को नाकाम करने में कोई कोर–कसर बाकी नहीं रखी। स्वतंत्रता के बाद से ही, इस व्यवस्था में सुधार की मांग उठती रही है, क्योंकि यह भ्रष्टाचार, अकुशलता और जनता में अविश्वास का कारण बनी हुई है।

पुलिस सुधारों के लिए कई आयोगों और समितियों का गठन किया गया। राष्ट्रीय पुलिस आयोग (1977–1981) और वर्ष 1971 में बनी गोर समिति की रिपोर्ट की सिफारिशें धूल खा रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी वर्ष २००६ में प्रकाश सिंह मामले में पुलिस सुधारों पर कई निर्देश दिए। जिनमें यह भी शामिल था कि राज्य पुलिस प्रमुखों का दो वर्ष का निश्चित कार्यकाल होगा। निर्देशों में राज्य सुरक्षा आयोगों की स्थापना, वरिष्ठ अधिकारियों के लिये निश्चित कार्यकाल और कानून एवं व्यवस्था से जाँच को अलग करना शामिल था। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों की भी राज्यों ने पालना नहीं की। इसे देश के सभी राज्यों ने या तो लागू नहीं किया या फिर निर्देशों को आधे–अधूरे तरीके से लागू किया गया ताकि पुलिस में सत्तारुढ़ दलों का हस्तक्षेप पूरी तरह से बना रह सके। इन सिफारिशों को लागू नहीं करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। दिल्ली की वर्ष 2019 की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 72 प्रतिशत पुलिस अधिकारियों ने मामलों की जाँच करते समय राजनीतिक दबाव का अनुभव किया है। पुलिस प्रायरू अत्यधिक बल का प्रयोग करती है, विशेषकर विरोध प्रदर्शनों और नागरिक अशांति से निपटने में। अप्रैल, 2017 से मार्च, 2022 तक पिछले पाँच वर्षों में देश भर में पुलिस हिरासत में मौत के कुल 669 मामले दर्ज किये गए। इसके अलावा, भारत में अपराध विज्ञान के क्षेत्र में इतने सारे अवसर होने के बावजूद, प्रति 0.1 मिलियन जनसंख्या पर केवल 0.33 फोरेंसिक वैज्ञानिक हैं, जबकि विदेशों में प्रति 0.1 मिलियन जनसंख्या पर 20 से 50 वैज्ञानिक हैं। पुलिस अधिकारियों का अपर्याप्त प्रशिक्षण इस मुद्दे को और भी गंभीर बना देता है।

एक रिपोर्ट में पाया गया कि देश में 11 राज्य पुलिस कर्मियों के लिये केवल एक कंप्यूटरध्लैपटॉप था, जबकि कुछ बड़े राज्यों में वर्ष 2022 में 30 या उससे अधिक कर्मियों के लिये केवल एक प्रणाली थी। केंद्र सरकार द्वारा महिलाओं की संख्या बढ़ाने के लगातार प्रयासों के बावजूद देश में पुलिस बलों में केवल 11.75 प्रतिशत महिलाएँ हैं। प्रतिनिधित्व की यह कमी महिलाओं को अपराधों की रिपोर्ट करने से हतोत्साहित करती है और लिंग आधारित हिंसा के मामलों को ठीक से नहीं निपटा पाती। पुलिस अधिकारी कानून प्रवर्तन से लेकर चुनाव ड्यूटी तक अनेक भूमिकाएँ निभाते हैं, लेकिन उन्हें पर्याप्त आराम या उचित पारिश्रमिक नहीं मिलता। कम वेतन से व्यावसायिकता हतोत्साहित होती है और भ्रष्टाचार की संभावना बढ़ती है, जिससे जनता का विश्वास प्रभावित होता है।

पुलिस कार्यों में राजनीतिक हस्तक्षेप ने व्यावसायिकता और स्वतंत्रता को समाप्त कर दिया है। बार–बार स्थानांतरण, राजनीतिक विरोधियों के विरुद्ध कार्रवाई करने का दबाव और जाँच एजेंसियों के दुरुपयोग ने कानून प्रवर्तन की विश्वसनीयता को कमजोर कर दिया है। राजद्रोह कानूनों का मनमाना प्रयोग तथा कार्यकर्ताओं और पत्रकारों की लक्षित गिरफ्तारियाँ इस बात को उजागर करती हैं कि पुलिसिंग प्रायरू विधि के शासन के बजाय राजनीतिक हितों से प्रेरित होती है। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल द्वारा वर्ष 2017 में कराए गए एक सर्वे के मुताबिक भारत में पुलिस विभाग सबसे ज्यादा भ्रष्ट है। अदालतों की समय–समय पर कड़ी फटकार के बावजूद देश में पुलिस का रवैया बदला नहीं है। यह सिलसिला तब तक जारी रहेगा, जब तक पुलिस नेताओं के हस्तक्षेप से मुक्त नहीं होगी। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

बांग्लादेश और पाकिस्तान में नये गठजोड़ के संकेत

–ज्योति मल्होत्रा–

भारत की सीमाओं के दोनों तरफ एक बड़ा मंथन चल रहा है, जो आरएसएस के 'अखंड भारत या अविभाजित उपमहाद्वीप' की अवधारणा को एक नई चुनौती पेश करता दिखाई देता है। पूर्व में, बंगाल की खाड़ी के इर्द–गिर्द एक नया समुद्र–मंथन हो रहा है, क्योंकि चीन और पाकिस्तान, दोनों के साथ, जिस तरह 'नव बांग्लादेश' पींघें डाल रहा है, उतना तो दशकों में नहीं हुआ। और इधर पश्चिम में, पाकिस्तान में, शक्तिशाली सेना प्रमुख कुछ इस तरह दिखाई दे रहे हैं मानो खुद को आधुनिक जिन्ना समझने लगे हैं, जब वे कथित 'द्वि–राष्ट्र सिद्धांत'और इस तरह के अन्य विषयों पर प्रवचन कर रहे थे।

शुरुआत बांग्लादेश से करते हैं। बीते 15 वर्षों में यह पहली बार है, जब पाकिस्तानी अधिकारी सलाह–मशविरे के लिए बीते सप्ताह ढाका पहुंचे, इस दौरान 'बांग्लादेश के विदेश सचिव ने 1971 में तत्कालीन 'पाकिस्तानी सेना द्वारा किए गए नरसंहार' के लिए माफी की मांग की। साथ ही यह भी कहा कि पश्चिमी पाकिस्तान से पूर्वी हिस्सा अलग होने के बाददृ निस्संदेह भारत की कुछ मदद सेदृ4.3 बिलियन डॉलर का हिस्सा लेना बकाया है, हालांकि बांग्लादेशी विदेश सचिव ने भारतीय मदद का जिक्र नहीं किया।

इतना ही नहीं, अगले 10 दिनों के भीतर, पाकिस्तान के उप प्रधान मंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ढाका की यात्रा करेंगे। डार एक मंजे हुए राजनेता हैं लिहाजा उम्मीद है कि वे 1971 में पाकिस्तानी सेना द्वारा किए गए नरसंहार के लिए माफी मांगने का तरीका आसानी से निकाल लेंगे दृ हालांकि यह करते वक्त सावधान रहेंगे कि कहीं इस माफी से उनके सर्वशक्तिमान सैन्य प्रमुख जनरल असीम मुनीर कुपित न हो जाएं। जब भी यह माफी मांगी जाती हैदृ सवाल यदि का नहीं, बल्कि कब का है दृ तो पाकिस्तान के इन दो भूतपूर्व हिस्सों के बीच जो निकटता बन जाएगी,उतनी तो कई दशकों से नहीं हुई थी।

कल्पना कीजिए कि इससे 53 साल का इतिहास उलटने जा रहा है। लेकिन यहां कोई गलती न करें, मंच सज चुका है,कमरे की सजावट में बस सिर्फ फूल और कुछ छोटी–छोटी चीजें ही बची हैं। जब डार बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस से मिलेंगे दृ जिन्हें अमेरिकियों ने इस अवसर की प्रतीक्षा में सावधानी से सहेज कर तैयार रखा था कि शेख हसीना के बाद वाले बांग्लादेश में स्थापित करना है और इससे भी अधिक मूर्खता हसीना की रही, जिन्होंने यह मौका दिया दृ लगता है बांग्लादेशी, चीनियों के हल्के से बनावटी अनुग्रह पर, पाकिस्तानी माफी को विनम्रतापूर्वक स्वीकार कर लेंगे। यह बस इतनी आसान सी बात है।

इस सब के बीच, मुहम्मद अली जिन्ना के प्रिय जुमले को नया जीवन मिल रहा है। बीते बृहस्पतिवार रावलपिंडी में एक समारोह में जब जनरल मुनीर कह रहे थे कि पाकिस्तान का निर्माण 'द्वि–राष्ट्र सिद्धांत' के आधार पर हुआ था, तो अग्रिम पंक्ति में सूट–बूट पहने उनके प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ यह सुन रहे थे। उन्होंने कहा : 'हमारे पूर्वजों का विचार था कि हम जीवन के प्रत्येक संभावित पहलू में हिंदुओं से अलहदा हैं। हमारे धर्म अलग हैं, हमारे रीति–रिवाज जुदा हैं, हमारी परंपराएं पृथक हैं, हमारे विचारों में भिन्नता है, हमारी महत्वाकांक्षाएं अलग हैं। यही 'द्वि–राष्ट्र सिद्धांत' की नींव बनी। मुद्दा यह कि हम दो मुल्क हैं, हम एक राष्ट्र नहीं हैं३'। स्पष्ट रूप से, काबिल जनरल खुद को एक आधुनिक कायदे–आजम के रूप में देख रहे हैं, जिसकी पाकिस्तान को जरूरत है, ताकि ज्यादा दिनों तक खुद को एक जरूरत बनाकर टिकाए रख सकें। ऐसा नहीं है कि पाकिस्तान को बचाने की आवश्यकता नहीं है – हालात बहुत खराब हैं, न केवल अर्थव्यवस्था बल्कि राजनीति के भी, यह स्थिति उम्मीद के क्षितिज पर सैन्य प्रतिष्ठान को आसानी से सबसे चमकीला, चमकता सितारा बनाती है दृयह अहसास निश्चित रूप से अन्य सब पर भारी है।

इस बीच, हमने देखा कि दो उंगलियां अपने गाल पर रखे प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ जनरल मुनीर की बातें खामोशी से सुन रहे थे। उस वक्त क्या वे अपने जहन में घुमड़ रही यादें यानि बड़े भाई नवाज शरीफ द्वारा भारत के साथ संबंध बेहतर बनाने के प्रयासों के नतीजे को अलग रख पाए होंगे, जिसके कारण मुशर्रफ द्वारा कारगिल पर आक्रमण करने के तुरंत बाद उन्हें अटक जेल में कठोर सजा भुगतनी पड़ी थीं दृ क्योंकि शहबाज जानते हैं कि मुनीर की कृपा के बगैर वे सत्ता में नहीं रह सकते? लेकिन बीते सप्ताहांत का बड़ा सवाल यह है कि क्या आप मानसिक विडंबना के बावजूद दिल खोलकर हंस सकते हैं। आप दुश्मन बनना चाहेंगे या दोस्त?

यही बांग्लादेश, जो अब पाकिस्तान की तरफ हाथ बढ़ा रहा है, 53 साल पहले उसने पश्चिमी पाकिस्तानी सैनिकों की मशीनगनों की फायरिंग के सामने 'जॉय बांग्ला'! का उद्घोष करते हुए 'द्वि–राष्ट्र सिद्धांत' को इतिहास के कूड़ेदान के हवाले किया था। आज, जब यूनुस अतीत में लौटने को बेकरार हुए पड़े हैं और जनरल मुनीर अलगाव का विचार याद दिला रहे हैं दृ विद्रूपता यह कि वर्तमान में भारत में भी कुछ ऐसा ही विचार बहुत लोकप्रिय है दृ भाषा की बजाय बांग्लादेशी धर्म और भू–राजनीति के महत्व को पुनर्स्थापित करते दिखाई दे रहे हैं। सिर्फ दो दिन पहले, यूनुस के विदेश मामलों के सलाहकार ने भारत को रूखे तरीके से अपनी घरेलू स्थिति को बेहतर ढंग से संभालने और पड़ोस के पश्चिम बंगाल में अपनी अल्पसंख्यक आबादी का ख्याल सही ढंग से करने की नसीहत दी है – मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा के संदर्भ में। इस पर भारत को गुस्सा चढ़ना समझा जा सकता है। लेकिन विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने इतना भर कहा कि पहले बांग्लादेशियों को अपने अंदर झांकना चाहिए और अपने हिंदू अल्पसंख्यकों की रक्षा करनी चाहिए।

'विभाजन' के पैराकार हों या 'अखंड भारत' के, दोनों के साथ यही मूल समस्या है कि उप–महाद्वीप इतना वैविध्यपूर्ण है कि चाहे कहीं भी रेखा खींचनी हो दृ किसी के द्वारा भी, फिर चाहे यह रैडक्लिफ हो या मैकमोहन या डूरंड दृ लकीर सीधी न होकर बेतरतीब होगी। कोई एक या दूजा या दोनों ही पक्ष नाराज अथवा गुस्सा हुए बिना नहीं रह पाएंगे।

और इसलिए वर्तमान पर लौट आते हैं। कुछ हफ्ते पहले बीजिंग में यूनुस की एक बैठक याद करें जब उन्होंने चीनी व्यापारियों से कहा था कि वे आएं और निवेश करें, और कहा कि वे बंगाल की खाड़ी उन्हें सौंपने के लिए तैयार हैं। इस दौरान, कुछ चीजें, चाहे वे कितनी भी बदल जाएं, एक जैसी ही रहती हैं, और इसका एक उदाहरण चीन–पाकिस्तान संबंध हैं– जिसे पाकिस्तानी नेता दशकों से 'पहाड़ों से भी ऊंचा, समुद्र से भी गहरा और शहद से भी मीठा' वर्णित करते आए हैं। चीन न केवल पाकिस्तान का सबसे बड़ा रक्षा साझेदार बल्कि संरक्षक भी हैय उसने पाकिस्तान में कराकोरम राजमार्ग से शुरू करके अरब सागर के तट पर ग्वादर तक सड़कें और समुद्री बंदरगाह बनाया है,'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव' नामक परियोजना के माध्यम से वह पूरे देश को जोड़ रहा है। मिसाइलों से लेकर बकसुआ तक, चीनी चीन में बना रहे हैं और पाकिस्तानी खरीद रहे हैं। इसलिए जहां भारत के एक तरफ चीन–परस्त पाकिस्तान अपना जोर बढ़ा रहा है वहीं दूसरी तरफ चीन–हितैषी बनकर बांग्लादेश भी। पहले ही, बांग्लादेश और पाकिस्तान द्वारा अपनी पिछली गलतियों पर एक–दूसरे को माफ करके आगे बढ़ने का नजारा साफ दिख रहा है। इनके बीच में भारत है, जिसने पाकिस्तान के साथ राजनयिक संबंध तोड़ रखे हैं तो बांग्लादेश के साथ रिश्ते बिगड़ रहे हैं। इसलिए, अब जबकि इस उपमहाद्वीप में नए सिरे से मंथन चल रहा है, तो वह मुख्य प्रश्न जो यह खुद से पूछना चाहेगा रू न केवल यह कि नरेन्द्र मोदी सरकार इन चुनौतियों से किस प्रकार निबटेगी बल्कि यह भी कि इन घटनाओं के अंदरूनी निहितार्थ का असर क्या रहेगा?–लेखिका 'द ट्रिब्यून' की प्रधान संपादक हैं।

साइबर लव की अंधेरी गलियां

–डॉ. सुधीर कुमार–

ऑनलाइन रिश्ते अक्सर साइबर लव तक पहुंच जाते हैं और कई बार साइबर मर्डर जैसे गंभीर अपराधों में बदल जाते हैं। बीते कई सालों से ऐसी कई मिसालें सामने भी आ रही हैं। इन मामलों की शुरुआत ऑनलाइन डेटिंग और सोशल मीडिया के जरिये होती है जहां अपराधी व उनके इरादे आभासी आवरण में छिपे होते हैं। इससे साइबर स्टॉकिंग, उत्पीड़न और पहचान की चोरी जैसे अपराधों में भी वृद्धि हुई है, जो डीपफेक व ब्लैकमेलिंग जैसे खतरों को दर्शाते हैं। इससे कानूनी चुनौतियां पैदा हुई हैं। हालांकि ऐसे अपराधों से निपटने के लिए आईटी कानून के कड़े सुरक्षा प्रावधान हैं लेकिन बेहतर है वर्चुअल दुनिया में हर कदम सावधानी से बढ़ाया जाये। आज के डिजिटल युग में इंटरनेट ने प्रेम संबंधों को भी ऑनलाइन ला दिया है, जिसे 'साइबर लव' कहा जाता है। दरअसल, आभासी संसार का मायाजाल असीमित संभावनाओं के साथ–साथ गंभीर खतरे भी लेकर आया है। सोशल मीडिया, डेटिंग ऐप्स और ऑनलाइन चौट के माध्यम से बने रिश्ते, जो कभी प्यार और विश्वास के वादों से भरे होते थे, अब अक्सर धोखाधड़ी, उत्पीड़न और यहां तक कि हत्या के खूनी अंत में बदल रहे हैं। ऑनलाइन डेटिंग और सोशल मीडिया के माध्यम से शुरू हुए रिश्ते कई बार खतरनाक मोड़ ले लेते हैं। श्रद्धा वालकर और हिमानी नरवाल जैसे मामलों में, ऑनलाइन शुरू हुए रिश्ते लिव–इन रिलेशनशिप और हत्या में बदल गए। इसी तरह, केरल, चंडीगढ़, मुंबई, दिल्ली और बेंगलुरु में 2019 से 2023 के बीच हुई घटनाओं में, महिलाओं को ऑनलाइन मिले व्यक्तियों द्वारा हत्या, धोखाधड़ी, बलात्कार और ब्लैकमेलिंग का शिकार होना पड़ा। ये घटनाएं डिजिटल दुनिया के खतरों को उजागर करती हैं, जहां ऑनलाइन रिश्ते अक्सर गंभीर अपराधों में बदल जाते हैं।

ये घटनाएं सिर्फ व्यक्तिगत त्रासदी नहीं हैं, बल्कि ये हमारे समाज के लिए एक चेतावनी हैं। इंटरनेट पर बने रिश्ते अक्सर एक आभासी आवरण में छिपे होते हैं, जहां पहचान और इरादे आसानी से छिपाये जा सकते हैं। यह भेद्यता यानी कमजोरी कुछ लोगों को दूसरों का फायदा उठाने, उन्हें धोखा देने और यहां तक कि हिंसक अपराध करने के लिए प्रेरित करती है। साइबर स्टॉकिंग, ऑनलाइन उत्पीड़न और पहचान की चोरी जैसे अपराधों में भी तेजी से वृद्धि हुई है, जो साइबर लव और साइबर मर्डर के खतरों को दर्शाते हैं।

साइबर लव, ऑनलाइन माध्यमों जैसे सोशल मीडिया, डेटिंग ऐप्स और ईमेल के जरिए रोमांटिक रिश्ते बनाने की प्रक्रिया है। यह रिश्ते अक्सर शुरुआत में बहुत ही आकर्षक और रोमांचक लगते हैं, क्योंकि लोग अपनी ऑनलाइन पहचान को अपनी इच्छानुसार बना सकते हैं। यह नए रिश्ते बनाने के अवसर तो प्रदान करता है, लेकिन इसके साथ ही कानूनी चुनौतियां भी उत्पन्न हो रही हैं, जैसे कि ऑनलाइन धोखाधड़ी, पहचान की चोरी, साइबर स्टॉकिंग और अश्लील सामग्री का प्रसार।

साइबर लव सिर्फ ऑनलाइन डेटिंग तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें ऑनलाइन गेमिंग और वर्चुअल रियलिटी प्लेटफॉर्म भी शामिल हो गए हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके 'डीपफेक' वीडियो और ऑडियो बनाए जा रहे हैं, जिनसे ऑनलाइन रिश्तों में धोखा और भी आसान हो गया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके 'डीपफेक' वीडियो और ऑडियो बनाना बहुत आसान हो गया है। इसका मतलब है कि कोई भी आपकी आवाज या चेहरे का उपयोग करके नकली वीडियो या ऑडियो बना सकता है। कुछ साइबर अपराधी 'लव बॉम्बिंग' नामक तकनीक का उपयोग करते हैं, जिसमें वे आपको बहुत जल्दी प्यार और ध्यान से भर देते हैं। यह आपको कमजोर बना सकता है और आपको उनके नियंत्रण में ला सकता है। केटफिशिंग, जिसमें ऑनलाइन नकली पहचान बनाकर दूसरों को धोखा दिया जाता है, एक गंभीर समस्या है जो पीड़ितों को भावनात्मक और आर्थिक रूप से तबाह कर सकती है। अपराधी अक्सर मशहूर हस्तियों या आकर्षक लोगों की तस्वीरें इस्तेमाल करते हैं और पीड़ितों का विश्वास जीतकर उनसे पैसे ऐंठते हैं। इसके अतिरिक्त, कुछ साइबर अपराधी ऑनलाइन रिश्तों का उपयोग निजी जानकारी इकट्ठा करने और पीड़ितों को ब्लैकमेल करने के लिए करते हैं।

रजिया सुल्तान बनी मुस्कान, प्रेमी संग मिलकर पति के किए टुकड़े, ट्रॉली में भरी लाश

संवाददाता–देवरिया। कहते हैं लाख छिपाने की कोशिश करें पर गुनाह छिपता नहीं है। यह खुद ही अपने होने की गवाही दे देता है। ऐसा ही कुछ हुआ है देवरिया के नौशाद हत्याकांड में। नौशाद के कत्ल्ल की आरोपी उसकी पत्नी रजिया सुल्तान ने खुद को बचाने की काफी कोशिश की। लेकिन बस एक चूक ने चंद घंटों के अंदर उसे घर की महफूज चहारदीवारी से सीधे सलाखों के पीछे पहुंचा दिया। दरअसल, रजिया और कत्ल्ल में साथ देने वाले उसके प्रेमी रोमान और रोमान के दोस्त ने जिस सूटकेस में नौशाद की लाश का पैक किया उससे एयरपोर्ट का टैग और पासपोर्ट की फोटो कॉपी निकालना भूल गए। बस इन्हीं दो सबूतों से पीछा करते–करते पुलिस रजिया तक पहुंच गई। इसके बाद भी रजिया ने पुलिस को उलझाने की काफी कोशिश की लेकिन चंद सवालों में टूट गई और आखिरकार सारा सच उगल दिया। पति और बेटी के साथ अब तक हंसी–खुशी जिंदगी जी रही रजिया के मुकद्दर में अब जेल और कचहरी की दुश्वारियां ही दुश्वारियां होंगी। अब तक फरार रोमान और उसका दोस्त हिमांशु भी जल्द ही कानून के शिकंजे में होंगे। उधर, नौशाद के न रहने और मां रजिया के जेल जाने के बाद दोनों की आठ साल की मासूम बेटी के भविष्य का क्या होगा? फिलहाल कोई नहीं बता पा रहा है।

रजिया सुल्तान, उसके प्रेमी रोमान और रोमान के दोस्त हिमांशु ने शनिवार की रात बड़ी बेरहमी से नौशाद को मौत के घाट उतार दिया। हत्या के वक्त पत्नी होते हुए रजिया ने जरा भी रहमदिली नहीं दिखाई। नौशाद कहीं बच न जाए, इसलिए उसके शरीर पर धारदार हथियार से नहीं, बल्कि छह से अधिक बार हमला कराया। नौशाद के मर जाने का पूरा भरोसा हो जाने के बाद तीनों ने मिलकर उसकी लाश को एक बैग में भरना चाहा। लेकिन बैग छोटा था और नौशाद की लाश उसमें समा नहीं पा रही थी। तब रजिया को नौशाद के उस बड़े सूटकेस का ख्याल आया जिसे वह दुबई से अपने साथ लाया था। रजिया ने आनन–फानन में वह सूटकेस खाली किया। रजिया ने नौशाद के सूटकेस से उसका सारा सामान निकाल दिया लेकिन एयरपोर्ट के टैग को निकालना भूल गई। नौशाद के पासपोर्ट की फोटो कॉपी भी उसमें रह गई।

नौशाद एक हफ्ते पहले ही दुबई से 15 दिन की छुट्टी पर घर आए थे। वह वहां एक प्राइवेट कंपनी में काम करते थे। अभी नौशाद के सूटकेस में कुछ कागजात रखे हुए थे। हत्या करने के बाद शव को ठिकाने लगाने के लिए नौशाद के सूटकेस को उनकी पत्नी रजिया और उसके प्रेमी ने खाली कर दिया, लेकिन पासपोर्ट की कॉपी उसी में छूट गई। इसके अलावा सूटकेस पर भी एयरपोर्ट वाला टैग लगा हुआ था। जब फोरेंसिक टीम सूटकेस से नमूने इक्ट्ठा कर रही थी, उसी समय ये दोनों सबूत उसके हाथ लगे। इसके बाद नौशाद की शिनाख्त और मामले का खुलासा होने में देर नहीं लगी। टीम नौशाद के गांव पहुंच गई और पड़ताल शुरू की तो पता चला कि नौशाद की पत्नी का गांव के रहने वाले भांजे से ही अवैध संबंध है।

हत्या करने के बाद रजिया, रोमान और हिमांशु ने बड़ी चालाकी दिखाई। सूटकेस में नौशाद का शव पैक करते समय पैर अंदर नहीं आया तो बोरे में बांध दिया। बेड शीट से भी पैर को बांध दिया। रजिया ने घर में बिखरा खून और एक–एक चीज की खुद सफाई की। हर तरफ से खुद को निश्चिंत करने की कोशिश की कि कहीं कोई सुराग छूट न जाए। कातिलों को जरा भी नहीं लगता था कि पुलिस चंद घंटे में ही उन तक पहुंच जाएगी। अचानक कुछ घंटे में पुलिस के दरवाजे पर पहुंचते ही रजिया के होश उड़ गए। उसने भागने की कोशिश भी की लेकिन कामयाब नहीं हो पाई। इसके बाद वह पुलिस को ही घुमाने लगी। रजिया ने पुलिस से कहा कि नौशाद सुबह छह बजे ही घर से निकले हैं।

मईल थाना क्षेत्र के भटौली के रहने वाले नौशाद तीन भाई थे। वह दुबई में काम करने लगे तो घर की आर्थिक स्थिति मजबूत हो गई। तब उन्होंने गांव के बाहर थोड़ी जमीन खरीदी जिस पर डेढ़ साल पहले ही मकान बनवाया था। नौशाद दुबई चले गए तो उनकी पत्नी अपनी इकलौती बेटी के साथ इसी घर में रहती थी। जबकि परिवार के अन्य सदस्य गांव वाले घर पर रहते हैं। नौशाद की गैरहाजिरी में पत्नी रजिया और रिश्ते के भांजे के बीच नजदीकियां बढ़ गईं। दोनों के अफेयर की चर्चा आसपास के गांवों में भी फैल गई। बताया जा रहा है कि एक साल पहले नौशाद जब गांव आए थे तो इन दोनों का मामला उनके सामने भी आ गया था। नौशाद ने सख्ती दिखाई तो पंचायत हुई। पंचायत में यह तय हुआ कि दोनों अब एक–दूसरे से नहीं मिलेंगे। लेकिन नौशाद के जाने के बाद दोनों का अफेयर फिर से परवान चढ़ गया। दोनों आए दिन मिलने लगे थे। इधर, नौशाद जब वापस लौटे तो रजिया–रोमान का मिलना–जुलना मुश्किल हो गया। दोनों नौशाद को अपनी अय्याशी की राह में रोड़ा मानने लगे।

रजिया के इस रूप के सामने आने के बाद गांव वाले हैरान हैं। आठ साल की मासूम बेटी भी फफक–फफक कर रो रही और खुद को शर्मिंदा महसूस कर रही है। गांववालों का कहना है कि नौशाद का व्यवहार बहुत अच्छा था। पत्नी के अवैध संबंध की जानकारी होने के बाद भी उन्ह्होंने उसे कबूल किया। गांववाले कह रहे हैं कि रजिया ने जो काम किया है उसके लिए उसे फांसी की सजा होनी चाहिए। नौशाद की हत्या के बाद से पिता मन्नू अहमद का रोते–रोते बुरा हाल हो गया है। वह भी रजिया, उसके प्रेमी रोमान और हिमांशु के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

अज्ञात वाहन की टक्कर से साधू की मौत

संवाददाता–श्रावस्ती। कटरा मथुरा मार्ग पर साइकिल सवार साधू को रविवार रात अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इसमें साधू मार्ग किनारे गिर कर गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर पहुंची कटरा पुलिस ने उसे एंबुलेंस से सीएचसी इकौना पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने साधू को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिनगा भेज दिया है। इकौना क्षेत्र के ग्राम कंजड़वा निवासी सज्जन (50) पुत्र भगवाने साधू है। वह साइकिल से आसपास क्षेत्र में जाकर मंदिर में भंडारा व मंदिर निर्माण के लिए चंदा एकत्र करता था। रविवार को भी वह साइकिल से चंदा एकत्र करने गया था। रविवार देर रात वापस आते समय कटरा मथुरा मार्ग पर अज्ञात वाहन ने साइकिल को टक्कर मार दी।

वशिष्ठ भारत बनाने के लिए न कटेंगे ना बटेंगे विश्व को प्रेम से जीतेंगे –चैतन्य दास महाराज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। वशिष्ठ भारत बनाने के लिए ना हम कटेंगे ना हम बटेंगे पूरे विश्व को प्रेम से जीतेंगे उक्त बातें श्रीधाम अयोध्या में चौतन्य दास महाराज ने बताई। उन्होंने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा कि भारत विभाजन के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है जबकि भारत और सनातन की पृष्ठभूमि वसुदेव कुटुंबकम् की है मतलब पूराविश्व हमारा है और हम पूरे विश्व के हैं, उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में अनेकों बांटने वाली कंट्रोवर्सी बातें समाज को पड़ोसी जा रही है और किसी न किसी बहाने हमको एक बार फिर से बांटने का काम किया जा रहा है बहाना कोई भी हो चाहे बुद्ध हो, चाहे राम हो या अंबेडकर, अपने–अपने समय में सब ने अपने कल और समय के अनुरूप कार्य किया था, लेकिन हम कुछ क्षण के लिए भगवान श्री राम को भगवान से अलग कर दें और उनके चरित्र को केवल एक मानव के रूप में देखें तो प्रेम और जोड़ने का उनसे बड़ा उदाहरण आज तक कोई भी नहीं हुआ है। श्री महाराज जी ने कहा कि जो व्यक्ति परिवार में विवाद ना हो परिवार एक साथ रहे उसके लिए अपने राज्य को छोड़कर के वन में चला गया और वन में भी सबको जोड़ने का कार्य किया ऐसा उदाहरण आपको कहीं नहीं मिलेगा।

उन्होंने वहां की जब राजा बने सारी प्रजा राम के साथी केवल एक आदमी के कहने पर उन्होंने आदर्श स्थापित करने के लिए क्योंकि वह राजा थे उनका कर्तव्य था उन्होंने अपने पत्नी का त्याग कर दिया। वर्तमान समय में जोड़ने की अपेक्षा तोड़ने का कार्य हो रहा है, इसलिए हमें भारत को एक करने के लिए सभी आदर्श पुरुषों को साथ लेकर चलना होगा। स्वामी विवेकानंद ने भी कहा था कि हमें बताना नहीं है हमें एक होना है। श्री महाराज जी की पीड़ा यह है कि भारत बिखराव की तरफ जा रहा है उन्होंने यहां तक कहा कि कोई भी पार्टी हो सब भारत को बांटने का कार्य कर रही तरीका अलग–अलग उन्होंने कहा कि हमें भारत को जोड़ने का कार्य करना होगा और इसमें जो सबसे बड़ा बाधक है वह है वर्तमान आरक्षण व्यवस्था। चौतन्य जी महाराज हमेशा समाज की सार्थकता के लिए लड़ाई लड़े है पिछड़ा वर्ग से आते हुए भी उन्होंने 1990 में आरक्षण का विरोध किया था और राजवाड़ा इंदौर अहिल्याबाई महल के सामने आत्मदाह किया था जिसमें वह 40 परसेंट जल गए थे। उनका मानना है कि समाज में सभी लोग एक समान हैं कोई अगला पिछड़ा नहीं है और आरक्षण जाति आधारित नहीं बल्कि गरीबी के आधार पर किया जाए जिससे समाज में पनप रहे भेदभाव को समाप्त किया जा सके। उन्होंने बताया कि आधुनिक शिक्षा कुचरित्र को बढ़ावा दे रहा है धर्म आधारित शिक्षा ही सही चरित्र का निर्माण करेगी। ने बताया कि वर्तमान समय में अपना गलत परिचय देकर के लड़कियों को फसाना उनके साथ दुर्व्यवहार करना फिर मार देना इन सब का मूल कारण सही चरित्र ना होना है और जब तक सभी धर्म के लोग अपने धर्म ग्रंथ के अनुसार चरित्र की व्याख्या नहीं करेंगे और समाज को जागरूक नहीं करेंगे विश्व में यह भ्रांतियां निरंतर बढ़ती ही रहेंगी। हमारे भारत को जाति के मकर जल से मुक्त करके श्रेष्ठ भारत बनाना होगा, हम देश के युवाओं से अपील करते हैं कि अपने विवेक के अनुसार सोचें और समझे श्रेष्ठ भारत का निर्माण करें जाति बंधन से मुक्त करें, हमारे प्यारे भारत को।

कार्यालय ग्राम पंचायत-रूद्रपुर वि0ख0 सल्टौआ गोपालपुर जनपद- बस्ती

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2025–26 में 15 वां केन्द्रीय वित्त आयोग/राज्य वित्त आयोग/अंत्येष्टि स्थल/स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजनान्तर्गत प्राथमिक विद्यालय/ पंचायत भवन/मनरेगा पार्क एवं अन्य सार्वजनिक भवनों के अनुरक्षण, सुन्दरीकरण एवं अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु निम्नलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 22–04 2025 से 24–04–2025 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपरान्ह 12.00 बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सील बंद निविदा प्राप्त कर जमा कर सकते है। दिनांक 24–04–2025 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष अपरान्ह 3.00 बजे खोली जायेगी, निविदा फर्म पैड पर होगी।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	मात्रा (प्राक्कलन के अनुसार	शिड्यूल रेट के अनुसार (निम्नतम दर पर
1	टाइल्स, शुलभ/सामुदायिक शौचालय		
2	सीमेन्ट, बालू, गिट्टी, छड़		
3	ईट, हैण्डपम्प रिबोर, हरा चारा, सूखा चारा, चुन्नी सीमेंटेड ईट		
4	पलम्बरी सामग्री, खेल कूद के मैदान पर खेल कूद की सामग्री		
5	समसिबल, विद्युत तार, जलसंचयन सम्बन्धी कार्य		
6	इण्टरलाकिंग टाइल्स सामग्री गोवंश आश्रय केन्द्र पर भूसा अन्य		
7	डेस्क, बेंच फर्नीचर/आलमारी		
8	ग्रीन बोर्ड पर्दा, अन्त्येष्टी स्थल, सूखा–गीला कचरा प्रबंधन व कम्पोस्ट गड्ढ़ा इत्यादि		
9	भूसा, वृक्षारोपण (पौधा कम से कम 6 फीट का होना चाहिए)		
10	कंस्ट्रक्शन ज्वाइंट, आंगनबाड़ी केन्द्र		
11	नाली निर्माण सामग्री, पंचायत भवन		
12	खंड़जा, सोख्ता, सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट		
13	योगा/व्यायाम सामग्री, मॉडर्न वृक्षारोपण, ह्यूम पाईप, सी.सी. टीवी कैमरा ए.सी.पी. बोर्ड, दिशा सूचक/साईन बोर्ड/शिलापट्ट या फैन्सग्रास		
14	पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, आपरेशन कायाकल्प, फागिंग मशीन, लाल ईंट आदि।		

प्रतिबंध एवं शर्ते– सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगे। समाग्री की मात्रा स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नही। आपूर्तिकर्ता वाणिज्यकर एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. की दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा रू0–50 के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।

(सुशीला देवी) ग्राम प्रधान **(शिवशंकर यादव)** ग्रा0पं0/ग्रा0वि0अधि0

पत्रांक मेमो /21.04.2025 वित्तीय वर्ष 2025–26

कार्यालय ग्राम पंचायत-सिहवरा वि0ख0 सल्टौआ गोपालपुर जनपद- बस्ती

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2025–26 में 15 वां केन्द्रीय वित्त आयोग/राज्य वित्त आयोग/अंत्येष्टि स्थल/स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजनान्तर्गत प्राथमिक विद्यालय/ पंचायत भवन/मनरेगा पार्क एवं अन्य सार्वजनिक भवनों के अनुरक्षण, सुन्दरीकरण एवं अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु निम्नलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 22–04 2025 से 24–04–2025 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपरान्ह 11.00 बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सील बंद निविदा प्राप्त कर जमा कर सकते है। दिनांक 24–04–2025 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष अपरान्ह 2.00 बजे खोली जायेगी, निविदा फर्म पैड पर होगी।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	मात्रा (प्राक्कलन के अनुसार	शिड्यूल रेट के अनुसार (निम्नतम दर पर
1	टाइल्स, शुलभ/सामुदायिक शौचालय		
2	सीमेन्ट, बालू, गिट्टी, छड़		
3	ईट, हैण्डपम्प रिबोर, हरा चारा, सूखा चारा, चुन्नी सीमेंटेड ईट		
4	पलम्बरी सामग्री, खेल कूद के मैदान पर खेल कूद की सामग्री		
5	समसिबल, विद्युत तार, जलसंचयन सम्बन्धी कार्य		
6	इण्टरलाकिंग टाइल्स सामग्री गोवंश आश्रय केन्द्र पर भूसा अन्य		
7	डेस्क, बेंच फर्नीचर/आलमारी		
8	ग्रीन बोर्ड पर्दा, अन्त्येष्टी स्थल, सूखा–गीला कचरा प्रबंधन व कम्पोस्ट गड्ढ़ा इत्यादि		
9	भूसा, वृक्षारोपण (पौधा कम से कम 6 फीट का होना चाहिए)		
10	कंस्ट्रक्शन ज्वाइंट, आंगनबाड़ी केन्द्र		
11	नाली निर्माण सामग्री, पंचायत भवन		
12	खंड़जा, सोख्ता, सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट		
13	योगा/व्यायाम सामग्री, मॉडर्न वृक्षारोपण, ह्यूम पाईप, सी.सी. टीवी कैमरा ए.सी.पी. बोर्ड, दिशा सूचक/साईन बोर्ड/शिलापट्ट या फैन्सग्रास		
14	पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, आपरेशन कायाकल्प, फागिंग मशीन, लाल ईंट आदि।		

प्रतिबंध एवं शर्ते– सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगे। समाग्री की मात्रा स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नही। आपूर्तिकर्ता वाणिज्यकर एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. की दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा रू0–50 के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।

(मशीहुद्दीन) ग्राम प्रधान **(शिवशंकर यादव)** ग्रा0पं0/ग्रा0वि0अधि0

पत्रांक मेमो /21.04.2025 वित्तीय वर्ष 2025–26

कार्यालय ग्राम पंचायत-जगतापुर वि0ख0 सल्टौआ गोपालपुर जनपद- बस्ती

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2025–26 में 15 वां केन्द्रीय वित्त आयोग/राज्य वित्त आयोग/अंत्येष्टि स्थल/स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजनान्तर्गत प्राथमिक विद्यालय/ पंचायत भवन/मनरेगा पार्क एवं अन्य सार्वजनिक भवनों के अनुरक्षण, सुन्दरीकरण एवं अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु निम्नलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 22–04 2025 से 24–04–2025 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपरान्ह 10.00 बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सील बंद निविदा प्राप्त कर जमा कर सकते है। दिनांक 24–04–2025 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष अपरान्ह 12.00 बजे खोली जायेगी, निविदा फर्म पैड पर होगी।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	मात्रा (प्राक्कलन के अनुसार	शिड्यूल रेट के अनुसार (निम्नतम दर पर
1	टाइल्स, शुलभ/सामुदायिक शौचालय		
2	सीमेन्ट, बालू, गिट्टी, छड़		
3	ईट, हैण्डपम्प रिबोर, हरा चारा, सूखा चारा, चुन्नी सीमेंटेड ईट		
4	पलम्बरी सामग्री, खेल कूद के मैदान पर खेल कूद की सामग्री		
5	समसिबल, विद्युत तार, जलसंचयन सम्बन्धी कार्य		
6	इण्टरलाकिंग टाइल्स सामग्री गोवंश आश्रय केन्द्र पर भूसा अन्य		
7	डेस्क, बेंच फर्नीचर/आलमारी		
8	ग्रीन बोर्ड पर्दा, अन्त्येष्टी स्थल, सूखा–गीला कचरा प्रबंधन व कम्पोस्ट गड्ढ़ा इत्यादि		
9	भूसा, वृक्षारोपण (पौधा कम से कम 6 फीट का होना चाहिए)		
10	कंस्ट्रक्शन ज्वाइंट, आंगनबाड़ी केन्द्र		
11	नाली निर्माण सामग्री, पंचायत भवन		
12	खंड़जा, सोख्ता, सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट		
13	योगा/व्यायाम सामग्री, मॉडर्न वृक्षारोपण, ह्यूम पाईप, सी.सी. टीवी कैमरा ए.सी.पी. बोर्ड, दिशा सूचक/साईन बोर्ड/शिलापट्ट या फैन्सग्रास		
14	पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, आपरेशन कायाकल्प, फागिंग मशीन, लाल ईंट आदि।		

प्रतिबंध एवं शर्ते– सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगे। समाग्री की मात्रा स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नही। आपूर्तिकर्ता वाणिज्यकर एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. की दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा रू0–50 के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।

(शमशुननिशा) ग्राम प्रधान **(शिवशंकर यादव)** ग्रा0पं0/ग्रा0वि0अधि0

पत्रांक मेमो /21.04.2025 वित्तीय वर्ष 2025–26

पूर्वाचार्य महंत मिथिलाशरण और महंत किशोरीशरण को संतों ने अर्पित की श्रद्धांजलि

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। प्रभु श्री राम की जन्म स्थली अयोध्या में साधना एवं सिद्धि के पर्याय स्वामी जानकी शरण जी महाराज झुनकी बाबा के शिष्य महंत मिथिला शरण जी महाराज का जन्म बिहार प्रांत के नवादा जिले में जमीदार घराने में हुआ लेकिन किशोरावस्था में ही स्वामी जानकी शरण जी महाराज के संपर्क में आए और वैराग्य की लगन ने तपस्या की भूमि अयोध्या में सरयू तट पर पहुंचा दिया। जहां श्री महाराज जी मां की गोद में अपनी त्याग और तपस्या के बल पर मां सरयू के पावन तट पर प्रतिष्ठित सिद्धपीठ सियाराम किला झुनकी घाट की स्थापना की और प्रथम आचार्य बने। श्री महाराज महंत मिथिला शरण जी की 35 वीं व द्वितीय आचार्य महंत किशोरी शरण जी महाराज की 26 वीं पुण्यतिथि हर्षोल्लास के साथ मनाई गई अयोध्या के संतो ने पूर्वाचार्यों को श्रद्धांजलि अर्पित की इस अवसर पर वर्तमान पीठाधीश्वर महंत करुणानिधान शरण जी महाराज ने बताया की गुरुदेव भगवान में तपस्या के साथ–साथ त्याग की भावना थी और सेवा को ही अपना सर्वस्व मानते थे और सभी को सेवा की ही प्रेरणा देते थे श्री महाराज जी बताते थे कि सेवा से ही सब कुछ प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि श्री गुरुदेव भगवान मिथिला शरण जी महाराज में त्याग की भावना कूट–कूट कर भरी थी और जैसे ही शरीर अस्वस्थ हुआ श्री महाराज जी ने अपना सारा दायित्व और भार अपने शिष्य आचार्य महंत किशोरी शरण जी महाराज को सौंप दी और श्री महाराज जी गुरुदेव की हर आज्ञा को मान करके आश्रम में सेवा का प्रकल्प ऐसा चलाया जो वर्तमान समय में भी सभी के संस्मरण में विराजमान है। श्री महाराज जी ने बताया कि दोनों गुरुदेव भगवान की पुण्यतिथि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी हर्षोल्लास के साथ मनाई गई और सभी संतो महंतों ने श्री महाराज जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर श्रीमद् भागवत और श्री राम कथा के मर्मज्ञ अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक अधिकारी स्वामी प्रभंजनानंद महाराज ने श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि सदगुरुदेव भगवान के आशीर्वाद से ही आश्रम की व्यवस्था सुचारू रूप से चल रही है। इस अवसर पर जानकी घाट बड़ा स्थान के महंत जन्मेजय शरण, करतलिया आश्रम महंत राम दास सैकड़ो संत महंत राजनेता शिष्य परिवार आश्रम पहुंच कर दोनों गुरुदेव भगवान को श्रद्धांजलि अर्पित की, अतिथियों का स्वागत प्रहलाद दास महाराज ने किया।

छत के कुंडे से लटका मिला विवाहिता का शव

संवाददाता–श्रावस्ती। लक्ष्मननगर निवासी एक विवाहिता का शव रविवार रात घर के बरामदे में छत के कुंडे से साड़ी के फंदे के सहारे लटका मिला। सूचना पर जब तक सोनवा पुलिस पहुंचती परिजनों ने शव को फंदे से नीचे उतार लिया। पिता की तहरीर पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिनगा भेज दिया है। बलरामपुर जिले के ललिया क्षेत्र अंतर्गत ग्राम जोगिया कला निवासी रामस्वरूप ने अपनी पुत्री रेनू देवी (26) का विवाह छह वर्ष पूर्व सोनवा क्षेत्र के लक्ष्मननगर निवासी राहुल यादव पुत्र माता प्रसाद से किया था रविवार को राहुल अपने माता–पिता के साथ एक मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहा था। इस दौरान राहुल ने रेनू से भी चलने को कहा। इस पर रेनू ने जाने से मना कर दिया। देर रात वापस आने पर राहुल व उसके माता पिता ने देखा कि दरवाजा अंदर से बंद है। दरवाजा खटखटाने पर कोई आवाज न आने पर राहुल दीवार फांदकर अंदर गया और दरवाजा खोला। लाइट जलाने पर परिजनों ने देखा कि रेनू का शव बरामदे के छत में लगे कुंडे से साड़ी के फंदे से लटक रहा है। परिजनों ने इसकी सूचना मायके सहित सोनवा पुलिस को दी। पुलिस के मौके पर पहुंचने से पहले ही परिजनों ने शव को फंदे से नीचे उतार लिया। मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष गणनाथ प्रसाद ने मृतका के पिता रामस्वरूप की तहरीर पर शव का पंचनामा भराकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भिनगा भेज दिया है।

थानाध्यक्ष ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

कार्यालय ग्राम पंचायत-खजुरिया वि0ख0 -नौगढ़, जनपद- सिद्धार्थनगर

निविदा/आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत **खजुरिया** विकास खण्ड नौगढ़ जनपद सिद्धार्थनगर द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना पंद्रहवां वित्त/चतुर्थ राज्य वित्त /केन्द्रीय वित्त/ स्वच्छ भारत मिशन एवम अन्य शासकीय योजना के अन्तर्गत स्वीकृति तथा कराये जाने वाले कार्यों में प्रयोग हेतु सामग्री आपूर्ति हेतु इंटरलाकिंग प्रथम श्रेणी ईट, बालू, सीमेन्ट, मोरंग, सरिया, पेन्ट, वायरिंग, पत्थर की गिट्टी, टाइल्स, हियूमपाइप, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, हार्डवेयर, सफाई कर्मी, गोवंश भरण–पोषण, हेतू भूसा दाना, टूल किट, इण्डिया मार्का पम्प, मरम्त, रिबोर पंचायत भवन निर्माण व मरम्मत व सार्वजनिक स्थान पर बैठने हेतु बेंच निर्माण ग्राम पंचायत में उपस्वास्थ्य केन्द्र मरम्मत/सामुदायिक शौचालय मरम्मत व निर्माण, ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धक (एस0एल0डब्लू0एम0), इलेक्ट्रानिक मटेरियल आदि समानो की व समय समय पर आवश्कतानुसार कार्य करने सम्बंधित सामग्री इत्यादि की आपूर्ति हेतु निविदा सत्र 2025–26 हेतु आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा दिनाँक 23–04–2025 को अपरान्ह 11.00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा तथा वाछित प्रपत्र बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत कार्यालय **खजुरिया** के निविदा बॉक्स में डाली जायेगी। और उसी दिन दिनांक 23.04.2025 पूर्वाहन 12:00 बजे ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी, कर्मचारियों द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेन्डर खोला जायेगा तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहर की राशि मूल्य 5000– रुपये होगी।

नियम व शर्ते

1–जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगी, वही निविदा स्वीकृति की जायेगी ।

2–आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकरदाता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।

3–सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत में कार्य स्थल पर ही करनी होगी।

4– जो दरे प्रस्तुत की जाये वह जीएसटी तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़कर प्रस्तुत की जाये।

5– सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत/ग्राम प्रधान के आदेश पर ही की जायेगी।

6– सामग्री की मात्रा घटायी या बढ़ाई जा सकती है।

7– ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान/सचिव/सदस्य/बीडीसी/जिला पंचायत सदस्य/ तकनीकी सहायक/रोजगार सेवक आदि कर्मचारियों के सगे सम्बंधित एवं रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं की जायेगी। उक्त आशय की नोटरी शपथ पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य हैं।

8– निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा स्वीकृति आपूर्तिकर्ता को भुगतान तकनीकी सहायक/अवर अभियंता द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने तथा मापन के उपरान्त किया जायेगा गुणवत्ता खराब होने पर भुगतान नहीं किया जायेगा।

9– आपूर्तिकर्ता को 2.24 प्रतिशत आयकर देना होगा। आपूर्ति हेतु सम्बंधित के पास डीलरशिप/एजेंसी होना अनिवार्य है अन्यथा की दशा में आपूर्तिकर्ता को आपूर्ति हेतु खरीदी गयी सामग्री का पक्का बिल प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

10– निविदा फॉर्म ग्राम पंचायत **खजुरिया** कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 100 (एक सौ) रुपया है पर ही स्वीकार किया जायेगा। अन्य जानकारी ग्राम पंचायत कार्यालय **खजुरिया** से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान–बबीता पाण्डेय
ग्राम पंचायत–खजुरिया
विकास खण्ड–नौगढ़
जनपद –सिद्धार्थनगर

सचिव–अभिनव ओझा
ग्राम पंचायत–खजुरिया
विकास खण्ड–नौगढ़
जनपद –सिद्धार्थनगर

बाबा साहेब की मूर्ति हटाने को लेकर बवाल, राजस्व कर्मियों पर ग्रामीणों ने की पथराव

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की स्थापित मूर्ति को हटाने गई बांसी तहसील और बांसी पुलिस प्रशासन संग स्थानीय लोगों की झड़प हो गई। मौके पर गई पुलिस और राजस्व कर्मियों की टीम पर वहां मौजूद ग्रामीणों ने पथराव कर दिया। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। हालांकि अमर उजाला वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

वायरल वीडियो में ग्रामीण पथराव करते हुए और पुलिस हल्का बल प्रयोग करते नजर आ रही है। पथराव में बांसी नायब तहसीलदार सहित कुछ अन्य पुलिस कर्मियों को हल्की चोटें भी आई हैं। घंटों मशक्कत के बाद पुलिस और तहसील प्रशासन स्थापित मूर्ति को वहां से हटाकर अपने साथ लेते गई।

बांसी तहसील क्षेत्र के समोगरा गांव का मामला बताया जा रहा है। समोगरा गांव में निजी जमीन पर कुछ ग्रामीणों ने बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की मूर्ति स्थापित की थी। इस घटना से क्षेत्र के एक विशेष वर्ग में आक्रोश हो गया था। तहसील प्रशासन का कहना है कि बिना सूचना या अनुमति के इस मूर्ति को स्थापित किया गया था, जबकि मूर्ति नियम के तहत किसी भी महान पुरुष या कोई भी मूर्ति स्थापित करने से पहले प्रशासन की स्वीकृति लेना अनिवार्य है।

खराब कार्य करने वाली आशा बहुओं को लगाई फटकार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। क्षेत्र के सीएचसी सिरसिया में सोमवार को अधीक्षक डॉ.शैलेंद्र मणि ओझा ने आशा बहू, संगिनी व एएनएम संग बैठक कर कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने खराब कार्य करने वाली आशा बहू विजयलक्ष्मी, कमला, फूलमती, सोनी, श्याम व सुनीता को कड़ी फटकार लगाई। साथ ही समय से कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यदि एक सप्ताह में कार्य में सुधार नहीं हुआ तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि आशा बहुएं घर–घर जाकर योग्य दंपति का अंतिम मासिक तिथि अपडेट करें व परिवार नियोजन संबंधित सामग्री का वितरण करें। गर्भवती महिलाओं का शीघ्र पंजीकरण करते हुए फोलिक एसिड टैबलेट उपलब्ध कराएं और खाने के लिए प्रेरित करें जिससे नवजात शिशु को न्यूरोलॉजिकल परेशानी से बचाया जा सके। इस अवसर पर बीएमसी सूर्यदेव सिंह, दीपक मधुकर, निर्मल चौधरी, सीमा कुमारी, रेशमा, जूही, सोमना आदि मौजूद रहीं।

परिषदीय विद्यालयों में समायोजित होंगे सरप्लस शिक्षक

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। परिषदीय स्कूलों में बच्चों की संख्या के सापेक्ष कहीं शिक्षक ज्यादा हैं तो कहीं बहुत कम। इससे पठन–पाठन प्रभावित हो रहा है। समस्या को देखते हुए बेसिक शिक्षा विभाग ने शिक्षकों के समायोजन का निर्णय लिया। इसके लिए जल्द ही प्रक्रिया पूरी करने की समय सारिणी बनेगी। इस बारे में बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेश कुमार ने सभी बीईओ को पत्र भेजकर सर प्लस शिक्षकों की सूची मांगी है। बेसिक शिक्षा विभाग ने परिषदीय स्कूलों में सरप्लस शिक्षकों को हटाने की कवायद शुरू कर दी है। ब्लॉकवार सर प्लस शिक्षक चिह्नित करते हुए बीएसए शैलेश कुमार ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को पत्र लिखा है। पत्र के मुताबिक पीएम श्री एवं निपुण भारत मिशन की बीते दिनों डीएम की अध्यक्षता में हुई बैठक का हवाला देते हुए अवगत कराया है कि बंद विद्यालयोकं के सापेक्ष ग्राम पंचायत स्तर पर अवस्थित विद्यालयों के सर प्लस टीचर होने पर स्कूल के संचालन के लिए (नवीन तैनाती, स्थानांतरण होने तक) प्रस्ताव के साथ ही ग्राम पंचायत स्तर पर सर प्लस टीचर की उपलब्धता न होने की स्थिति में न्याय पंचायत स्तर पर सर प्लस टीचर की सूचना बंद विद्यालयों के अस्थायी रूप से संचालन के लिए अस्थायी शिक्षक की तैनाती के लिए निर्देशित किया गया है।

प्राथमिक विद्यालय में 30 बच्चों पर एक शिक्षक की तैनाती की जाएगी। इसी प्रकार उच्च प्राथमिक विद्यालय में 35 बच्चों पर एक शिक्षक की तैनाती होगी। अगर इस मानक से विद्यालय में शिक्षक अधिक हैं तो वे हटाए जाएंगे। वहीं, शिक्षक कम होने पर नए की तैनाती की जाएगी।

जिलाधिकारी के निर्देशानुसार सरप्लस शिक्षकों को पदस्थापित करने की दिशा में सभी खंड शिक्षा अधिकारियों से सर प्लस शिक्षकों की सूची मांगी गई है, इनमें सरप्लस टीचर में प्रधानाध्यापक, इंचार्ज प्रधानाध्यापक, दिव्यांग शिक्षक, जिनकी सेवानिवृत्त दो वर्ष से कम को छोड़ते हुए अग्रिम प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

बड़े भाई माफिया विनोद का हो चुका है एनकाउंटर, अब संजय का जारी हुई एनबीडब्ल्यू

संवाददाता–गोरखपुर। शाहपुर इलाके के प्रापर्टी डीलर अंकु शुक्ल के घर फायरिंग के मामले में नाम आने पर पुलिस ने माफिया विनोद उपाध्याय के भाई संजय उपाध्याय के खिलाफ एनबीडब्ल्यू जारी कर दिया है। केस में नाम आने के बाद से ही आरोपी संजय भागा हुआ है। थाने की पुलिस ने आरोपी पर इनाम रखने के लिए एसएसपी को फाइल भिजवा दी है। जल्द इनाम जारी हो सकता है। इधर, सूत्रों की मानें तो संजय ने न्यायालय में आत्मसमर्पण की अर्जी दी है, ताकि गिरफ्तारी से बच सके। वहीं, क्राइम ब्रांच और शाहपुर पुलिस की टीम उसके संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही है। जांच के दौरान संजय उपाध्याय की पत्नी की भूमिका भी मामले में संदिग्ध पाई गई है। फायरिंग की साजिश में संलिप्त होने के संकेत मिले हैं, जिसके आधार पर उसका नाम केस में जोड़ा गया है। घटना की शुरुआत 18 फरवरी से हुई, जब आरोपी अंकित पासवान ने खुद को माफिया विनोद उपाध्याय का भाई बताते हुए श्रीरामपुरम कॉलोनी निवासी प्रॉपर्टी डीलर अंकु शुक्ल से एक करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी। इसके बाद 23 फरवरी को गौरव पांडेय और अंबिका पासवान ने उनके घर पर जाकर गोली चलाने की कोशिश की, जो विफल रही।

24 फरवरी को फिर से दोनों वहां पहुंचे और इस बार अंबिका ने कार पर गोलियां बरसा दीं। घटना के बाद पुलिस और एसओजी की संयुक्त कार्रवाई में पांच मार्च को इस गिरोह के पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इसमें अंकित पासवान उर्फ मंटू, अंबिका पासवान, नितिन मिश्रा, साहिल अली और शुभम श्रीवास्तव शामिल थे। इनके पास से अवैध असलहे, कारतूस, दो बोलेरो और एक बाइक बरामद की गई थी।

एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने बताया कि घटना की जांच में संजय का भी नाम सामने आया है। उसके खिलाफ एनबीडब्ल्यू जारी हो गया है। पुलिस की टीमें लगी हैं, जल्द ही उसकी गिरफ्तारी हो जाएगी।

नवागत डीएम ने जिला अस्पताल का किया निरीक्षण, गंदगी देख लगाई फटकार

संवाददाता–अयोध्या। जिले की कमान संभालने के बाद डीएम निखिल टीकाराम फुंडे ने सबसे पहले जिला अस्पताल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिला अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं को परखा। ओपीडी का निरीक्षण करते हुए सभी डॉक्टरों की उपस्थिति और दवा वितरण केंद्र को भी देखा। दवा की एक्सपायरी डेट की जांच की। बाहर की दवा लिखे जाने की शिकायत पर कहा कि अब जिले में उड़न दस्ता बनाया जा रहा है। उड़न दस्ता सभी विभागों का औचक निरीक्षण करेगा और मुझको रिपोर्ट देगा। रिपोर्ट में शिकायत मिलती है तो कार्रवाई भी की जाएगी। मीडिया के माध्यम से डीएम को शिकायत मिली थी कि जिला अस्पताल के डॉक्टर बाहर की दवा लिख रहे हैं। इसके बाद सभी डॉक्टरों को चेतावनी दी गई है कि वह बाहर से दवा न लिखें, जो भी सुविधा शासन मुहैया करा रहा है वह मरीज को दी जाए। किसी भी मरीज को वापस नहीं लौटाना है। सख्त चेतावनी देते हुए डीएम ने कहा कि अगर ड्यूटी करनी है तो सभी डॉक्टर और कर्मचारियों को समय से पहुंचना होगा नहीं तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। डीएम ने सेप्टिक वार्ड का भी निरीक्षण किया। सेप्टिक वार्ड में ताला बंद पाए जाने पर डीएम ने नाराजगी जताते हुए उसको तोड़वा दिया। उन्होंने कहा कि जितने भी यहां शौचालय हैं, सभी साफ कराए जाएं। डीएम ने स्वीकार किया कि जिला अस्पताल में कमी पाई गई है। सबसे बड़ी कमी साफ–सफाई की है। सीएमएस को निर्देश दिया गया है कि जिला अस्पताल को साफ रखें। जिला पुरुष अस्पताल और जिला महिला अस्पताल के बीच में एक नाला है। बताया गया कि इसकी सफाई कौन करवाएगा, जिला अस्पताल प्रबंधन या फिर नगर निगम, इस दुविधा के चलते नाला साफ नहीं हो रहा है। दोनों अस्पताल के सीएमएस और नगर आयुक्त के साथ बैठक कर इस पर चर्चा की जाएगी। डीएम को बताया गया कि जिला अस्पताल में डॉक्टरों की कमी है। खासकर कार्डियोलॉजी, सर्जन और कुछ फिजिशियन की कमी है। डीएम ने सीएमएस से कहा है कि वह लिखकर दें और वह स्वास्थ्य मंत्री से अनुरोध करेंगे कि यहां पर डॉक्टरों की संख्या बढ़ाई जाए।

सपाइयों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष को एनएसजी सुरक्षा देने की मांग

संवाददाता–गोरखपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की एनएसजी सुरक्षा फिर से बहाल करने की मांग को लेकर सोमवार को नेताओं ने प्रदर्शन कर डीएम को ज्ञापन सौंपा। सपा महानगर के पूर्व अध्यक्ष जियाउल इस्लाम ने इस प्रदर्शन का नेतृत्व किया। इस मौके पर प्रवक्ता कीर्तिनिधि पाण्डेय, कृष्ण कुमार त्रिपाठी, सिंहासन सिंह यादव, राजीव पाण्डेय, साहब अंसारी, हाजी शकील अंसारी, राहुल गुप्ता, अशोक यादव, प्रमोद कुमार यादव,व्यंकटेश्वर नाथ तिवारी, संतोष कुमार यादव मौजूद रहे।

हत्या के प्रयास और तोड़फोड़ के आरोपित को पुलिस ने किया गिरफ्तार

संवाददाता–गोरखपुर। हरपुर बुदहट पुलिस ने हत्या के प्रयास और तोड़फोड़ के अभियुक्त को गिरफ्तार कर सोमवार को न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया। जानकारी के अनुसार, थाना क्षेत्र के झकही निवासी आलोक सिंह को भेलाखरग निवासी एक मनबढ़ ने जान मारने की नीयत से धारदार हथियार से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था तथा बाइक को भी तोड़ दिया था। पीड़ित के भाई की तहरीर पर पुलिस ने अभियुक्त कृष्ण मोहन शुक्ल पुत्र गणेश शुक्ल के खिलाफ हत्या के प्रयास, मारपीट, तोड़फोड़ का केस दर्ज कर अभियुक्त के तलाश में जुटी हुई थी। सोमवार को थानेदार मदन मोहन मिश्र, उपनिरीक्षक विजय कुमार गोंड, कास्टेबिल धर्मराज सोनकर, अखंड प्रताप सिंह संदिग्ध और वारंटियों की तलाश में गश्त पर निकले हुए थे। तभी जानकारी मिलते ही पुलिस टीम ने वारंटियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

घर के पीछे पेड़ से लटकता मिला अधेड़ का शव

संवाददाता–गोरखपुर। गुलरिहा थाना क्षेत्र के ग्राम जैनपुर के टोला अकटहवा में एक अधेड़ का शव उसके घर के पीछे शीशम के पेड़ से संदिग्ध परिस्थितियों में लटका हुआ मिला। बेटे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना का कारण स्पष्ट नहीं हो रहा है। जानकारी के मुताबिक, थाना क्षेत्र के अकटहवा निवासी खूबलाल (55) की रविवार की रात एक बजे घर के पीछे शीशम के पेड़ से गमछा के फंदे से लटकता हुआ शव बरामद हुआ। शव का घुटना जमीन पर लगा हुआ था। घटना की सूचना उसके बेटे विनोद कुमार ने डायल 112 पर दी। उसने बताया कि रात में सभी लोग भोजन करके सोने चले गए। उसके पिता भी रोज की तरह बरामदे सो रहे थे। मध्य रात में वह जगा तो पिता बिस्तर पर नहीं थे। परिवार के लोग ढूंढने लगे तो उनका शव पेड़ से लटका हुआ मिला। हालांकि पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए घटना की जांच पड़ताल कर रही है।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय–श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय बस्ती जिला–बस्ती

नं0 मु0–D202317140001112

अन्तर्गत धारा 30 (2) उ0प्र0रा0सं0 2006

प्रेमचन्द्र

बनाम

बंशराज आदि

बावत मौजा जोगिया तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती

1. बंशराज 2. बुद्धू 3. पियारे साकिनान मौजा भानपुर तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती 4. श्रीमती कुमारी देवी पत्नी रामसुरेश निवासी कोठिला तप्पा कोठिला परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला–बस्ती 5. घिराऊ पुत्र सिद्धू निवासी शम्भूपुर तप्पा खुरियार परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 6. श्रीमती राजपती पत्नी तिलकराम निवासी रामनगर कठौतिया तप्पा आदमपुर परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला बस्ती 7. आनन्द 8.कृष्ण कुमार 9. ध्रुव पुत्रगण ध्रुपलाल साकिनान मौजा जमोहना तप्पा आदमपुर परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला बस्ती 10. श्रीमती नीरज पत्नी हरिश्चन्द्र निवासी मौजा भानपुर तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती 11. श्रीमती जफीरून्निशा पत्नी अलाउद्दीन अंसारी 12. राम सुरेश 13. रमेश पुत्रगण रामसजीवन निवासी मौजा भानपुर तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती 14. श्रीमती रागनी सिंह पत्नी मनोज कुमार सिंह निवासी मौजा भानपुर तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती 15. सुरेन्द्र प्रताप सिंह पुत्र शिवदत्त निवासी बडोखर तप्पा आदमपुर परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती 16. संजय कुमार पाण्डेय पुत्र गायत्री प्रसाद पाण्डेय साकिन ताड़ीजोत तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 17. धनन्जय पुत्र हनुमान प्रसाद निवासी सोनूपार तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 18. सुरेश गुप्ता 19. रमेश गुप्ता पुत्रगण रामलौट गुप्ता साकिनान मौजा जगदीशपुर तप्पा देवरांव तहसील व जिला–बस्ती 20. रामगोपाल पुत्र श्याम विहारी 21. तिलकराम पुत्र शीतला प्रसाद साकिनान शाहपुर तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 22. उत्तम यादव पुत्र राममिलन निवासी पेलनी तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती 23. तुलसीराम पुत्र अमरनाथ निवासी रमवापुर बाबू तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला–बस्ती 24. रजिन्द्र पुत्र राम सुरेश निवासी बडोखर तप्पा आदमपुर परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती 25. नन्द प्रसाद पुत्र रामबली निवासी छरौछा उर्फ शेखापुर तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 26. श्रीमती फूलकुमारी पत्नी मिथिलेश अग्रहरी निवासी भानपुर तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती 27. सत्येन्द्र कुमार चौधरी पुत्र मुनीराम चौधरी निवासी बनकटवा तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 28. रमेश चन्द्र पुत्र बाबूलाल निवासी कौटिया बाजार तप्पा डीही तहसील व जिला–बस्ती 29. श्रीमती ऊषा देवी पत्नी विश्वनाथ निवासी तप्पा देवरांव तहसील व जिला–बस्ती 30. श्रीमती संगीता देवी पत्नी राकेश कुमार निवासी पाण्डेय बाजार मेंहदावल रोड पुरानी बस्ती तहसील व जिला–बस्ती 31. श्रीमती साजिदा खातून पत्नी मोहम्मद इसमाइल 32. श्रीमती साबिरा खातून पत्नी मनौवर अली साकिन बंजरिया तप्पा कोठिला परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला–बस्ती 33. बृजेन्द्र प्रसाद पुत्र राम प्रसाद निवासी भानपुर तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती 34. राम प्रसाद पुत्र छविलाल निवासी पिपरा प्रथम तहसील मेंहदावल जिला संतकबीर नगर 35. अशोक कुमार पुत्र पल्टन निवासी कोठिला तप्पा कोठिला परगना बांसी पूरव तहसील भानपुर जिला–बस्ती 36. श्रीमती अनारा देवी पत्नी बंशराज निवासी भानपुर तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती 37. राजू 38. राकेश कुमार 39. राममनोहर पुत्रगण श्रीपत निवासी मैलानी साहब वाजिद तप्पा आदमपुर परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती 40. रवि कुमार 41. गोविन्द कुमार 42. शनिकुमार पुत्रगण ओम प्रकाश 43. श्रीमती सुमन देवी पत्नी ओम प्रकाश निवासी भानपुर तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती 44. शत्रुजीत पुत्र महादेव निवासी भानपुर तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती 45. राजकीय महा विद्यालय जोगिया तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती द्वारा प्रबन्धक 46. नगर पंचायत भानपुर जरिये अध्यक्ष निवासी भानपुर तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती

तारीख पेशी 28–04–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 14 माह 07 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया। –द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्अलेह मुतवफ्फा

(आर्डर 22, कायदा 4)

न्यायालय–श्रीमान अपर जिला जज/एफ0टी0सी0 द्वितीय महोदय बस्ती जिला–बस्ती

सिविल प्रकीर्ण अ0 सं0–39/2023

त्रियुगी नरायन आदि

बनाम

नन्दलाल आदि

6/1 रम्भा देवी पत्नी मुन्नी लाल 6/2 विजय कुमार 6/3 राजेश कुमार 6/4 परवेश कुमार पुत्रगण मुन्नीलाल साकिनान ग्राम चपरा पूर्वी तप्पा कोचरी परगना महुली पूरव तहसील खलीलाबाद जिला–बस्ती वर्तमान जिला संतकबीरनगर

तारीख पेशी 06–05–2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 06 माह 05 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

मूलवाद सं0–1036/2023

रामनरेश

बनाम

रामफेर आदि

1. रामफेर उम्र करीब 65 साल 2. रामतेज उम्र करीब 55 साल 3. शिव प्रसाद उम्र करीब 50 साल पुत्रगण रामगरीब साकिनान मौजा मेढ़ाये तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 14–07–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 14 माह 07 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

ग्रामीण विकास सेवा समिति बस्ती उ0प्र0

पत्रांकः जी0वी0एस0एस0/बस्ती/उ0प्र0/2025–26 दिनांक 20.04.2025

आवश्यकता है

उ०प्र० राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी, लखनऊ के सहयोग से ग्रामीण विकास सेवा समिति, बस्ती द्वारा सचालित लिंक वर्कर स्कीम परियोजना में एम० एण्ड ई० कम लेखाधिकारी का पद रिक्त है। इच्छुक अभ्यर्थी अपना आवेदन ई–मेल Iwsbastigvss@gmail.com के माध्यम से अथवा डाक के माध्यम से बायोडाटा शैक्षिक अभिलेखों सहित पता ग्रामीण विकास सेवा समिति (परियोजना कार्यालय–लिक वर्कर स्कीम) पुराना डाकखाना (सिविल लाइन), पोस्ट गांधीनगर, जनपद बस्ती 272001 पर भेज सकते है। आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 30 अप्रैल 2025 सायं 05:00 बजे तक इसके उपरांत आवेदन स्वीकर नही किये जायेगे।

क्र0 सं0	पद का नाम	कुल पदो की संख्या	वेतन /मानदेय	शैक्षित योग्यता एवं अनुभव
1	एम0 एण्ड ई0 कम लेखाधिकारी	01	16000.00	बी० कॉम सहित 03 वर्षा का लेखाकन के क्षेत्र में अनुभव। टैली, एमएस वर्ड, एक्सेल पॉवर प्वांट में कार्य करने वाले आवेदक को वरीयता।

अम्बुज कुमार यादव

सचिव/परियोजना निदेशक

ग्रामीण विकास सेवा समिति, बस्ती।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

मूलवाद सं0–602/2024

गबई आदि

बनाम

उ0प्र0 सरकार आदि

1. सरकार उ0प्र0 द्वारा कलेक्टर महोदय बस्ती 2. ग्राम पंचायत मुड़बरा द्वारा प्रधान ग्राम मुड़बरा पो0 दसिया तप्पा उमरा परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला–बस्ती 3. आस मोहम्मद ग्राम मुड़बरा पो0 दसिया तप्पा उमरा परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला–बस्ती 4. जय प्रकाश 5. विजय प्रकाश पुत्रगण स्व0 सीताराम साकिनान मौजा मुड़बरा पो0 दसिया तप्पा उमरा परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला–बस्ती

तारीख पेशी 18–07–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 18 माह 07 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) एफ0टी0सी0 महोदय बस्ती जिला–बस्ती

मूलवाद सं0–1006/2015

जनक प्रसाद

बनाम

सूर्यकांत

1. सूर्यकांत उम्र लगभग 32 वर्ष पुत्र जनक प्रसाद साकिन दौलतपुर तप्पा रतनपुर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 28–04–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 28 माह 04 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

इश्तहार

अन्तर्गत आदेश 1 नियम 8 (2) ज0दी0

न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) जिला– सिद्धार्थनगर

प्रकीर्णवाद सं0 37/2025

श्री काली माता मंदिर आदि

बनाम

मसीबुलहसन आदि

1. मयंक पुत्र नीबर ग्राम गनेशपुर तहसील खजहनी परगना नौगढ़ तहसील शोहरतगढ़ जनपद सिद्धार्थनगर वो अन्य ने

तारीख पेशी 23–05–2025

लोकहित वाद/सार्वजनिक रास्ता काली माता मंदिर तक रास्ता गनेशपुर तप्पा खजहनी परगना नौगढ़ तहसील शोहरतगढ़ जनपद सिद्धार्थनगर/रास्ता के बावत गाटा सं0–432 सार्वजनिक रास्ता काली माता मंदिर तक के बावत हितबद्ध सभी व्यक्तियों के फायदे हेतु प्रतिनिधित्व क्षमता में वाद प्रस्तुत किया है तथा वाद के प्रस्तुत करने के साथ साथ आदेश 1 नियम 8 सीपीसी के अन्तर्गत प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया था जिसे न्यायालय द्वारा दिनांक 15.04.25 को सुनवाई उपरान्त अनुज्ञा दे दिया गया है। और आवेदक/आवेदकगण को प्रतिनिधित्व क्षमाता में वाद प्रस्तुत करने की अनुज्ञा दी जा चुकी है। अतः यह उदघोषणा निकाली जा रही है कि उक्त वाद ग्रस्त सम्पत्ति के सन्दर्भ में जो हितबद्ध व्यक्ति पक्षकार मुकदमा बनना चाहते हो वे न्यायालय द्वारा निर्धारित तिथि 23.05.2025 को 10:00 बजे पूर्वान्ह न्यायालय में उपस्थित होकर पक्ष बनने हेतु कार्यवाही कर सकते है। किसी हितबद्ध व्यक्ति के उपसंचार न होने पर उक्त वाद में नियमानुसार अग्रेतर कार्यवाही जारी रहेगी।

आज सन 2025 के माह 04 के दिवस 16 को दिनांकित

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**

संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com